Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 270
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 06 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

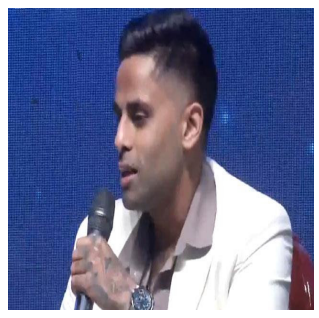

3 नदी जोड़ो परियोजना से राज्य में सूखे की ... 4 आरएसएस की 'राष्ट्र सर्वोपरि' साधना के 100... 7 महिला विश्व कप : जीत का खाता खोलने के...

संक्षिप्त न्यूज

रक्षा मंत्री करेंगे दो दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरा, दोनों देशों के बीच तीन समझौते होने की संभावना

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार से दो दिवसीय दौरे पर ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं, जिसका मकसद द्विपक्षीय रक्षा और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए 'नई और सार्थक' पहलों की तलाश करना है। राजनाथ सिंह की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच तीन समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, जो सूचना को साझा करने, समुद्री सुरक्षा बढ़ाने और संयुक्त गतिविधियों के क्षेत्रों में

सहयोग को आगे बढ़ाएंगे।

इस वार्ता के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की विस्तार से समीक्षा की जाएगी, खासकर क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के मद्देनजर। नरेंद्र मोदी सरकार में 2014 के बाद किसी रक्षा मंत्री का यह पहला ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा एक ऐतिहासिक क्षण पर हो रही है, जब भारत और ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक साझेदारी की स्थापना की पांचवीं वर्षगांठ मना रहा हैं।

ऑस्ट्रेलिया की उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के निमंत्रण पर राजनाथ सिंह यह दौरा कर रहे हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह दौरा द्विपक्षीय संबंध और रक्षा भागीदारी को और मजबूत करने के लिए नई और सार्थक पहलों को खोजने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इस यात्रा की एक खास बात राजनाथ सिंह की अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं होंगी। राजनाथ सिंह सिडनी में एक बिजनेस राउंडटेबल की अध्यक्षता भी करेंगे, जिसमें दोनों देशों के उद्योग जगत के नेता शामिल होंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के अन्य राष्ट्रीय नेताओं से भी मिलेंगे।

बाढ़ प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार पर्याप्त सहायता प्रदान करेगी- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पद्मश्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी मिल के जीर्णोद्धार का उद्घाटन किया

शिरडी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि महाराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ के कारण कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ है और महाराष्ट्र सरकार से नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त होते ही केंद्र सरकार बिना किसी देरी के किसानों को पर्याप्त सहायता प्रदान करेगी।

श्री शाह लोनी में पद्मश्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल और पद्मभूषण डॉ. बालासाहेब विट्ठलराव विखे पाटिल की पूर्ण-लंबाई वाली प्रतिमा के अनावरण और पद्मश्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी मिल के जीर्णोद्धार के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन मंत्री और जिले के पालक मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल, ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित

थे। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3,132 करोड़ रुपये की सहायता को मंजूरी दी है। इसमें से अप्रैल में 1,631 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें महाराष्ट्र के लिए 215 करोड़ रुपये का विशेष सहायता पैकेज भी शामिल है। ऋण वसूली पर अस्थायी रोक और छात्रों के लिए परीक्षाओं में छूट जैसे कई फैसले लिए गए हैं। पद्मश्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल और पद्मविभूषण डॉ. बालासाहेब विखे पाटिल द्वारा सहकारिता आंदोलन, ग्रामीण विकास और किसानों के कल्याण के लिए किए गए कार्य अभूतपूर्व हैं। महाराष्ट्र का सहकारी क्षेत्र आज उनके कार्यों की नींव पर खड़ा है। पद्मश्री विट्ठलराव विखे पाटिल, धनंजयराव गाडगिल और वैकुंठभाई मेहता ने सहकारिता आंदोलन की नींव रखी। विखे पाटिल ने देश का पहला सहकारी चीनी कारखाना शुरू करके किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की नींव रखी। व्यापारियों के घर जाने वाला पैसा किसानों के खातों में जाने लगा। डॉ. बालासाहेब विखे पाटिल अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वित्त राज्य मंत्री रहे। श्री शाह ने कहा कि उन्होंने आरबीआई के माध्यम से एक महत्वपूर्ण 'पुनरुद्धार पैकेज' हासिल किया जिससे गुजरात के सहकारी बैंकों को बचाया जा सका। डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी कारखाना, जिसकी शुरुआत 1951 में 50 टन क्षमता के साथ हुई थी, वर्तमान में 7,200 टन क्षमता के साथ कार्यरत है। इसकी क्षमता जल्द ही बढ़ाकर 15,000 टन कर दी जाएगी। 1970 में स्थापित इस डिस्टिलरी की क्षमता 15 केएलपीडी से बढ़ाकर 90 केएलपीडी कर दी गई है और 240 केएलपीडी तक विस्तार की स्वीकृति मिल गई है। बायोगैस संयंत्र की क्षमता 12,000 घन मीटर से बढ़ाकर 30,000 घन मीटर कर दी गई है।

कलाईनार यूनिवर्सिटी बिल पर सुप्रीम कोर्ट पहुंची स्टालिन सरकार, राज्यपाल के फैसले को बताया अवैध

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल आरएन रवि के बीच कलाईनार विश्वविद्यालय को लेकर जारी विवाद बढ़ता ही रहा है। ऐसे में अब स्टालिन सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में राज्य सरकार ने राज्यपाल आरएन रवि द्वारा कलाईनार यूनिवर्सिटी बिल 2025 को राष्ट्रपति के पास भेजने के फैसले को असंवैधानिक और अवैध बताया गया है।

राज्य सरकार का कहना है कि राज्यपाल ने इस बिल पर कैबिनेट की सलाह को नजरअंदाज कर, उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दिया है, जो कि संविधान के अनुच्छेद 200 का उल्लंघन है। इस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल को विधानसभा द्वारा पारित बिलों पर कैबिनेट की सलाह के अनुसार निर्णय लेना होता है।

बता दें कि यह बिल तमिलनाडु विधानसभा में अप्रैल 2025 में पारित हुआ था। इसमें भरतिदासन यूनिवर्सिटी को दो भागों में बांटकर कलाईनार यूनिवर्सिटी की स्थापना करने का प्रस्ताव है। यह यूनिवर्सिटी कुंभकोणम में बनेगी और इसका उद्देश्य अरियालुर, नागपट्टिनम, तंजावुर और तिरुवरूर जिलों के छात्रों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना है। इस यूनिवर्सिटी का नाम पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एम करुणानिधि के नाम पर रखा गया है, जो कि मौजूदा मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के पिता हैं। बिल में प्रावधान है कि मुख्यमंत्री स्टालिन यूनिवर्सिटी के पहले कुलपति होंगे।

इतना ही नहीं मामले में राज्यपाल ने दूसरा बिल भी राष्ट्रपति के पास भेजा है, जो कि तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी एक्ट में बदलाव से जुड़ा है। इस बदलाव से राज्य सरकार को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के कुलपति की नियुक्ति और हटाने का अधिकार मिल जाता।

त्योहारी सीजन में होगी यात्रियों की मौज, सरकार की सख्ती के बाद एयरलाइंस ऐसे देगी लोगों को राहत

नई दिल्ली। त्योहारों का मौसम शुरू होते ही हवाई टिकटों की कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं। इसे नियंत्रित करने के लिए सरकार ने कदम उठाया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार को त्योहारों के दौरान हवाई किराए के रुझानों की समीक्षा की, ताकि यात्रियों को अत्यधिक किराए से राहत मिल सके। डीजीसीए ने एयरलाइंस को सलाह दी है कि वे बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त उड़ानें शुरू करें। इसके बाद इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस ने मिलकर करीब 1700 नई उड़ानों की घोषणा की है। इस पूरी अवधि में डीजीसीए टिकट दरों और उड़ान संचालन पर सख्त नजर रखेगा।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाई किरायों पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी डीजीसीए को सौंपी है। विशेष रूप से त्योहारों के दौरान जब किरायों में तेजी से बढ़ोतरी होती है, तब डीजीसीए को जरूरी कदम उठाने का अधिकार प्राप्त है। इसी के तहत डीजीसीए ने एयरलाइंस कंपनियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और उनसे आग्रह किया कि वे त्योहारी सीजन में बढ़ती यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए अपनी उड़ान क्षमता बढ़ाएं। इस उद्देश्य से एयरलाइंस को अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस बीच एयरलाइंस कंपनियों ने डीजीसीए को अपनी तैयारियों की जानकारी दी है। इंडिगो करीब 42 रूटों पर 730 नई उड़ानें शुरू करने जा रही है। वहीं, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस संयुक्त रूप से 20 रूटों पर लगभग 486 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेंगी।

बिहार विधानसभा चुनाव 22 नवंबर से पहले, CEC ने EVM सहित कई नियमों में किए बड़े बदलाव

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पटना में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों की समीक्षा के बाद कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को देश भर के लिए 'अनुकरणीय' बताते हुए बिहार के 90,217 बूथ स्तरीय अधिकारियों की सराहना की। बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर, 2025 को समाप्त हो रहा है और चुनाव उससे पहले होंगे।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने बताया कि आयोग ने आगामी चुनावों के लिए कई बड़े बदलाव किए हैं, जो बिहार से शुरू होकर पूरे देश में लागू होंगे।

1. ईवीएम और मतपत्र में बदलावः अब ईवीएम में उम्मीदवार की तस्वीर ब्लैक एंड व्हाइट के बजाय रंगीन होगी, ताकि चुनाव चिह्न के अलावा पहचान करना आसान हो सके। इसके अलावा मतपत्र पर सीरियल नंबर का फॉन्ट अब बड़ा

किया जाएगा।

2. मतदान केंद्र और सुरक्षाः आयोग ने फैसला किया है कि अब किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। बिहार के हर मतदान केंद्र पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की सुविधा होगी। बूथ-स्तरीय अधिकारियों को बेहतर पहचान के लिए पहचान पत्र जारी किए गए हैं। साथ ही, मोबाइल फोन को बूथ के बाहर एक कमरे में जमा करने की प्रक्रिया पूरे बिहार में लागू की जाएगी।

3. मतगणना नियमों में बदलावः ईवीएम की गिनती के अंतिम दो राउंड से पहले डाक मतपत्रों की गिनती अनिवार्य होगी। पहले, फॉर्म 17सी और ईवीएम काउंटिंग यूनिट के डेटा में अंतर होने पर सभी वीवीपैट की गिनती होती थी। अब इस नियम को और स्पष्ट किया गया है।

4. डेटा उपलब्धताः चुनाव समाप्त होने के कुछ दिनों के भीतर ही, पुरुष और महिला मतदाताओं की संख्या तथा मतदान के आंकड़े अब ईसीआई-नेट पर डिजिटल इंडेक्स कार्ड के रूप में उपलब्ध होंगे।

सीईसी ने लोगों को छट की बधाई दी

सीईसी ने बिहार के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा, 'मैं बिहार के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे लोकतंत्र के इस पर्व को उसी उत्साह के साथ मनाएं जैसे आप छठ मनाते हैं। सभी मतदान करें और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।' उन्होंने मतदाताओं को सफल मतदाता सूची शुद्धिकरण प्रक्रिया के लिए भी बधाई दी।

पश्चिम बंगाल में बाढ़ का संकट गहराया, सीएम ममता बनर्जी ने दिया तत्काल मदद का भरोसा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में अचानक हुई भारी बारिश से आई बाढ़ पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तुरंत सभी आवश्यक सहायता पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में कहा, 'मैं इस बात से बेहद चिंतित और चिंतित हूं कि कल रात कुछ ही घंटों में अचानक हुई भारी बारिश और बाहर से हमारे राज्य में नदी के पानी के अत्यधिक प्रवाह के कारण उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है।'

बनर्जी ने उत्तर बंगाल में व्यापक तबाही के लिए केवल 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक मूसलाधार बारिश को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया, 'कल रात उत्तर बंगाल में 12 घंटों में अचानक 300 मिमी से अधिक बारिश हुई और साथ ही संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और भूटान व सिक्किम से नदी का पानी भी बह गया। इससे आपदाएं आईं।'

मुख्यमंत्री ने भारी बारिश और बाढ़ के कारण हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'हमें यह जानकर गहरा सदमा और दुख हुआ है कि भारी बारिश और नदियों में आई बाढ़ के कारण हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और उन्हें तुरंत सभी सहायता पहुंचाऊंगी।'

बुनियादी ढांचा प्रभावित, मिरिक में गंभीर नुकसान

मुख्यमंत्री के अनुसार, आपदा के कारण बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया, 'दो लोहे के पुल ढह गए हैं, कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और बाढ़ आ गई है। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार जिलों में जमीन के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए हैं।' उन्होंने विशेष रूप से मिरिक, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, माटीगाड़ा और अलीपुरद्वार से 'चिंताजनक क्षति और नुकसान की खबरें' मिलने की बात कही।

मुख्यमंत्री कर रही हैं स्थिति की निगरानी, पर्यटकों को दी ये सलाह

बनर्जी ने आश्वासन दिया कि वह लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं और मुख्य सचिव के साथ एक वर्चुअल बैठक कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह कल रात से ही चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर रख रही हैं और उन्होंने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, उत्तर बंगाल के जिलों और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की, जिसमें गौतम देब और अनित थापा जैसे जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। उन्होंने बताया, 'मैं लगातार संपर्क में हूं और इस सिलसिले में कल अपने मुख्य सचिव के साथ व्यक्तिगत रूप से उत्तर बंगाल जा रही हूं।' मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में फंसे पर्यटकों के लिए एक विशेष सलाह जारी की है। उन्होंने कहा, 'इस बीच, हम उत्तर बंगाल के पर्यटकों को सलाह दे रहे हैं कि जब तक हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित निकाल नहीं लेती, वे वहीं रहें। बचाव का खर्च हमारा है और पर्यटकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।' उन्होंने कहा कि अधिकारी और पुलिस हर जगह सभी प्रभावित लोगों तक हर संभव सहायता पहुंचाएंगे।

सोनम वांगचुक ने NSA हिरासत में रहते हुए, लद्दाख हिंसा में हुई मौतों की न्यायिक जांच मांगी

नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया है, ने लेह में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए चार लोगों, जिनमें एक पूर्व सैनिक भी शामिल है, की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है।

ये विरोध प्रदर्शन 24 सितंबर को हुए थे और लद्दाख को राज्य का दर्जा बहाल करने और संविधान की छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर थे, लेकिन हिंसक हो गए थे। वांगचुक ने लद्दाख के लोगों से शांति और एकता बनाए रखने और महात्मा गांधी के बताए अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए अपना संघर्ष जारी रखने की अपील की है। यह संदेश उनके भाई त्सेतन दोरजे ले और वकील मुस्तफा हाजी के माध्यम से आया, जिन्होंने उनसे जोधपुर सेंट्रल जेल में मुलाकात की। अपने संदेश में, वांगचुक ने कहा है कि जब तक स्वतंत्र जांच का आदेश नहीं दिया जाता, वह जेल में रहने के लिए तैयार हैं। रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता वांगचुक ने 'सर्वोच्च निकाय' और 'कारगिल

डेमोक्रेटिक अलायंस ' की छठी अनुसूची और राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग का भी समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'लद्दाख के हित में शीर्ष निकाय जो भी कदम उठाएगा, मैं तहे दिल से उनके साथ हूं।'

वांगचुक ने यह भी कहा कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं। उन्होंने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों तथा गिरफ्तार किए गए लोगों के लिए प्रार्थना की है।लेह 'सर्वोच्च निकाय' और KDA, दोनों ने 6 अक्टूबर को होने वाली गृह मंत्रालय की वार्ता से खुद को अलग कर लिया है। उनकी मुख्य मांगें हैं कि चार लोगों की हत्या की न्यायिक जांच हो और वांगचुक सहित सभी हिरासत में लिए गए लोगों को बिना शर्त रिहा किया जाए।सोमवार को सुप्रीम कोर्ट वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने NSA के तहत उनकी नजरबंदी को चुनौती दी है और उनकी रिहाई की मांग की है।

मोहन भागवत ने पीओके को 'भारत के घर का कमरा' बताया, बोले- इसे वापस लेना होगा

सतना।आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने पीओके को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए इसे 'भारत नाम के एक घर का एक कमरा' कहा, जिसमें 'अजनबी लोग घुस आए हैं।' समाचार एजेंसी के अनुसार, मध्य प्रदेश के

सतना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि इस 'कमरे को वापस लेना होगा।'

आरएसएस प्रमुख ने अपनी बात को एक दृष्टांत से समझाया। उन्होंने कहा, 'पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहां मेरी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्जा कर लिया है। कल, मुझे उसे वापस लेना होगा।' इस बयान पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं।

भागवत ने अविभाजित भारत के विचार पर भी बल दिया। उन्होंने सभा में मौजूद सिंधी समुदाय के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, 'कई सिंधी भाई यहां बैठे हैं। मैं बहुत खुश हूं। वे पाकिस्तान नहीं गए; वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहां भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं।'

पीओके में पाकिस्तानी शासन के खिलाफ उग्र विरोध, 10 की मौत

आरएसएस प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पीओके में स्थानीय लोग पाकिस्तानी शासन के खिलाफ व्यापक विद्रोह कर रहे हैं। आर्थिक राहत और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर हजारों निवासी अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के बैनर तले विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

एसआईटी जांच से करूर भगदड़ का सच सामने आएगा : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) करूर भगदड़ की जांच शुरू करेगा, जिससे पूरी सच्चाई सामने आएगी तथा हर स्तर पर जवाबदेही तय होगी।

करूर घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के खिलाफ अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगदड़ रोकने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार करूर त्रासदी पर उच्च न्यायालय के सभी दिशानिर्देशों पर ध्यान देते हुए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "करूर में हुई त्रासदी से हम सभी स्तब्ध हैं।" उन्होंने कहा कि अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के आंसू देखकर उन्हें बहुत दुख हुआ। उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर गठित एसआईटी मामले की जांच शुरू करेगी। स्टालिन ने कहा कि वह मुख्यमंत्री होने के नाते लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि "इस जांच के माध्यम से पूरी सच्चाई सामने आएगी और सभी स्तरों पर जवाबदेही तय की जाएगी।" उन्होंने कहा कि तमिलनाडु, जो कई क्षेत्रों में देश के बाकी

हिस्सों के लिए एक आदर्श है, भगदड़ रोकने में भी देश का मार्गदर्शन करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, "हम हितधारकों के परामर्श से एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करेंगे।" उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और राज्य भर के आम लोगों से परामर्श किया जाएगा। स्टालिन ने कहा, "यह (भगदड़ रोकने के लिए) एक ऐसा मॉडल बनेगा, जिसका अनुसरण केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि पूरा देश कर सकता है।" उन्होंने कहा कि इस त्रासदी की पृष्ठभूमि में, "आइए हम राजनीतिक उद्देश्यों से एक-दूसरे पर दोषारोपण किए बिना दीर्घकालिक समाधान की ओर बढ़ें।" मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करके भगदड़ रोकने के सामूहिक प्रयास के लिए विचारों और सुझावों का स्वागत करते हैं।

उन्होंने कहा, "आइए हम अपने लोगों की जान बचाने के लिए एकजुट हों और ऐसी त्रासदी को न केवल तमिलनाडु में, बल्कि देश भर में फिर से होने से रोकें!" मद्रास उच्च न्यायालय ने तीन अक्टूबर 2025 को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित करने का आदेश दिया।

रामेश्वर डूडी जी का निधन कांग्रेस के लिए अपूरणीय क्षति : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की राजस्थान इकाई के वरिष्ठ नेता रामेश्वर डूडी के निधन पर शनिवार को दुख जताया और कहा कि यह पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी डूडी के निधन पर दुख जताया और कहा कि किसानों और वंचितों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष हमेशा याद रखा जाएगा। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे रामेश्वर डूडी का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को 62 वर्ष की आयु में बीकानेर में निधन हो गया।

डूडी अगस्त, 2023 में 'मस्तिष्काघात' के बाद, दो साल से अधिक समय से कोमा में थे। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सांसद रामेश्वर डूडी जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ये कांग्रेस पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि डूडी ज़मीन से जुड़े नेता थे और अपना पूरा जीवन किसानों और जनता के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।

खरगे ने कहा, दुःख की इस घड़ी में उनके परिवार और समर्थकों को मेरी गहरी संवेदनाएं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और पूर्व सांसद रामेश्वर डूडी जी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता दी और जनता के साथ सीधे जुड़े रहे। किसानों और वंचितों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष हमेशा याद रखा जाएगा।

गन्ना मिल पर शुल्क लगाने पर पुनर्विचार करें महाराष्ट्र सरकारः शरद पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह बारिश से प्रभावित किसानों की मदद करने के बजाय ''गन्ना किसानों'' से मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) में योगदान करवा रही है। उन्होंने सरकार से गन्ना मिल पर शुल्क लगाने के फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। यह आलोचना सरकार द्वारा सीएमआरएफ के माध्यम से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने के लिए मिल में गन्ने पर 'लेवी' (शुल्क) लगाने के कदम से उत्पन्न हुई है। पवार ने कहा, ''मुझे आश्चर्य है कि महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ से प्रभावित मराठवाड़ा के किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए गन्ना किसानों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने का फैसला किया है। मैं सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करता हूं।'' सरकार ने पिछले सप्ताह सीएमआरएफ के लिए मिल पर प्रति टन गन्ने पर 10 रुपये तथा बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता के लिए प्रति टन 5 रुपये का

शुल्क लगाने का निर्णय लिया था। राजू शेट्टी, कांग्रेस विधान परिषद सदस्य सतेज पाटिल और राकांपा (शरद चंद्र पवार) विधायक रोहित पवार सहित कई किसान नेताओं ने इस शुल्क का विरोध किया है और इसे अनुचित और वित्तीय बोझ बताया है। हालांकि, सरकार का कहना है कि मराठवाड़ा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सुनिश्चित करने के लिए यह कदम जरूरी है, जो बारिश और बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को स्पष्ट किया कि यह योगदान गन्ना मिलों के मुनाफे से आएगा, न कि किसानों की कमाई से। फडणवीस ने अहिल्यानगर में एक कार्यक्रम में कहा, ''महाराष्ट्र में लगभग 200 मिल हैं। एक मिल को सीएमआरएफ में लगभग 25 लाख रुपये का योगदान देना पड़ सकता है। हम किसानों से नहीं, बल्कि चीनी मिलों के मुनाफे से धन की मांग कर रहे हैं।'' इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल हुए थे। उन्होंने इस फैसले की आलोचना करने वालों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वे इसे गलत तरह से पेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''कुछ लोग इतना गिर गए हैं कि वे इसे सरकार द्वारा किसानों से पैसा लेने के रूप में चित्रित कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि यह योगदान मिल के मुनाफे से है और यह मराठवाड़ा के बाढ़ प्रभावित किसानों को जाएगा। कुछ मिल तो टन भार में किसानों के साथ धोखाधड़ी भी करती पाई गई हैं।

बारिश की मार झेल रहे किसानों से 'जबरन वसूली'? पवार ने सीएम कोष पर उठाए सवाल

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण किसानों और फसलों को हुए भारी नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने विशेष रूप से गन्ने की फसलों को हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा उठाया और इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार के फैसलों पर कड़ी आलोचना की। पवार ने वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में गन्ने की फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'इस नुकसान का विस्तृत आकलन आवश्यक है।' इस क्षति के मूल्यांकन और आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कल (12 तारीख को) एक गवर्निंग काउंसिल की बैठक बुलाई गई है, जिसमें राज्य की सभी चीनी मिलें शामिल होंगी। पवार ने राज्य सरकार से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि, 'राज्य सरकार से किसानों को अधिकतम सहायता प्रदान करने की अपेक्षा है।'

सीएम राहत कोष पर पवार का हमला

किसानों को सहायता देने की बात करते हुए, शरद पवार ने एक अन्य सरकारी निर्णय पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार नुकसान झेलने वाले किसानों की मदद करने के बजाय, मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए गन्ना उत्पादकों से जबरन धन वसूलने का निर्णय ले रही है। पवार ने इस निर्णय को 'पूरी तरह से गलत' बताया और मुख्यमंत्री से इस पर पुनर्विचार करने की अपील की।

बीड के सरकारी अस्पताल में जुड़वा बच्चों की जन्मदर में अप्रत्याशित बढ़ोतरी, नौ महीने में आए 42 केस

मुंबई। आमतौर पर जुड़वां बच्चों के जन्म को पहले एक दुर्लभ घटना माना जाता था लेकिन महाराष्ट्र के बीड जिले के सिविल अस्पताल के लिए यह घटना एक सामान्य सी बात हो गई है। बीड के इस सरकारी अस्पताल में पिछले नौ

महीनों में 42 जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ है। लगातार पैदा हो रहे जुड़वां बच्चे अस्पताल के लिए एक गर्व का विषय बन गया है, क्योंकि प्रसूति वार्ड के कर्मचारियों ने सिजेरियन और प्राकृतिक प्रसव, दोनों का सफलतापूर्वक कर रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी), जिसमें 'इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन' (आईवीएफ) शामिल है, और पारिवारिक इतिहास जुड़वां बच्चों के जन्म में वृद्धि का कारण बन रहे हैं।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि 30 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में जुड़वां बच्चे होने की संभावना में मामूली वृद्धि हुई है। बीड सिविल अस्पताल के रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) डॉ एलआर तंदले ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में जुड़वां और तीन बच्चों के जन्म की दर निश्चित रूप से बढ़ी है, और पिछले नौ महीनों में हमारे यहां 42 जुड़वां बच्चे पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में एक विशेष चिकित्सा टीम है जो प्रसव के दौरान और उसके बाद माताओं तथा शिशुओं की व्यापक देखभाल करने के लिए समर्पित है।

गठबंधन की चर्चा के बीच फिर साथ दिखे उद्धव-राज

भाजपा बोली- इससे बीएमसी चुनावों पर कोई असर नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र में होने वाले शहरी निकाय चुनावों में गठबंधन की अटकलों के बीच रविवार को ठाकरे बंधु एक बार फिर साथ दिखे, जिससे महाराष्ट्र की सियासत में राजनीतिक गर्माहट एक बार फिर तेज हो गई है। उद्धव और राज रविवार को शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत के पोते के नामकरण कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव के अलावा उनके बेटे और विधायक आदित्य ठाकरे, शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल देसाई और मिलिंद नार्वेकर भी मौजूद थे।

बता दें कि पिछले महीने उद्धव मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे की मां कुंदा से मिलने उनके आवास गए थे। राज ने साल 2005 में शिवसेना छोड़ दी और अलग पार्टी का निर्माण किया था। माना जा रहा है कि निकाय चुनाव में उद्धव और राज की पार्टियां एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ सकती हैं। मराठी भाषा को लेकर जारी विवाद के बीच करीब तीन महीने पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे वर्षों बाद पहली बार एक मंच साथ आए थे।

भाजपा नेताओं ने दी प्रतिक्रिया

ऐसे में जब राज और उद्धव ठाकरे एक बार फिर साथ आने की खबर फिर से सुर्खियों में आई तब भाजपा ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा ने इसे महापालिका चुनावों पर असर डालने वाला नहीं बताया। भाजपा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि भगवान ने उन्हें एक ही परिवार में भेजा लेकिन वो साथ नहीं रह सके। अगर वो साथ आते हैं तो हमें कोई आपत्ति नहीं, लेकिन इससे चुनाव का नतीजा नहीं बदलेगा।

वहीं दूसरी ओर भाजपा नेता प्रवीण डेरेकर ने कहा कि उद्धव को पहले राज ठाकरे की जरूरत नहीं थी, अब शायद लग रही है। अगर राज उन्हें माफ कर देते हैं तो हमें फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि मनसे और शिवसेना (यूबीटी) का गठबंधन भी बीएमसी चुनाव के नतीजों को प्रभावित नहीं करेगा।

बीएमसी चुनाव को लेकर राज्यभर में गर्माहट

गौरतलब है कि शिवसेना (यूबीटी) पहले 20 साल तक बीएमसी पर काबिज रही है और इस साल के अंत में होने वाले चुनावों को लेकर सभी दल सक्रिय हो गए हैं। वर्तमान में राज्य में भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और अजित पवार की एनसीपी वाली 'महायूति' सत्ता में है, जबकि उद्धव ठाकरे कांग्रेस और शरद पवार गुट के साथ 'महा विकास अघाड़ी' में हैं।

मध्य रेल आरपीएफ, भुसावल मंडल, ने उत्कृष्ट जाँच कौशल का प्रदर्शन किया

72 घंटों के भीतर डकैती का मामला सुलझाया और चोरी की संपत्ति बरामद की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उत्कृष्ट जाँच और तकनीकी विशेषज्ञता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए, मध्य रेल के भुसावल मंडल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 1.82 करोड़ मूल्य के सोने के आभूषणों से जुड़े एक मनगढ़ंत बहुमूल्य डकैती के मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। शुरुआत में एक बड़ी डकैती की घटना बताई गई इस घटना का पर्दाफाश एक सुनियोजित फर्जी डकैती के रूप में हुआ, जिसमें 72 घंटों के भीतर पूरी संपत्ति बरामद कर ली गई और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

30.09.2025 को ट्रेन संख्या 12187-जबलपुर-सीएसएमटी गरीब रथ एक्सप्रेस में डकैती की घटना की सूचना मिली, जब श्री सागर पारेख ने शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) स्टेशन, सीएसएमटी, मुंबई में अपराध संख्या 082/25, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 3(5) और 309(6) के तहत शिकायत दर्ज कराई, जिसमें

1.5 किलोग्राम वजन की 52 सोने की चूड़ियाँ और 35 सोने की अंगूठियाँ, जिनकी कीमत 1,82,00,000/- थी, की लूट का आरोप लगाया गया।

सत्यापन पर, यह स्थापित हुआ कि घटनास्थल जीआरपी पोस्ट खंडवा के अधिकार क्षेत्र में आता है और तदनुसार इसे स्थानांतरित कर दिया गया।

तदनुसार, जीआरपी खंडवा द्वारा उन्हीं धाराओं के तहत 03.10.2025 को मामला अपराध संख्या 219/2025 के रूप में पुनः पंजीकृत किया गया और आरपीएफ भुसावल से सहायता मांगी गई।

वरिष्ठ मंडल अधिकारियों के मार्गदर्शन में, आरपीएफ पोस्ट खंडवा, अपराध खुफिया शाखा और आरपीएफ भुसावल के अधिकारियों की एक संयुक्त जाँच टीम गठित की गई।

सीसीटीवी फुटेज विश्लेषण, डिजिटल ट्रैकिंग, मोबाइल कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) और रूट मैपिंग जैसे आधुनिक जाँच उपकरणों का प्रभावी उपयोग करते हुए, टीम ने घटना का व्यापक तकनीकी विश्लेषण किया। जाँच से पता चला कि कथित डकैती पूरी तरह से मनगढ़ंत थी और शिकायतकर्ता ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अधिकारियों को गुमराह करने और झूठे नुकसान का दावा करने के लिए इसे अंजाम दिया था।

पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने अपनी झूठी कहानी को विश्वसनीय बनाने के लिए जानबूझकर खुद को घायल किया था। उन्होंने घटना को मनगढ़ंत बनाने की बात स्वीकार की और बताया कि सोने के आभूषण कल्याण रेलवे स्टेशन पर प्रवीण नामक एक साथी को सौंप दिए गए थे। इस खुफिया जानकारी पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, टीम ने उक्त साथी को आरपीएफ पोस्ट खंडवा बुलाया, जहाँ वह 04.10.2025 को पूरी लूटी गई संपत्ति के साथ उपस्थित हुआ। ज़ब्त की गई संपत्ति में 52 सोने की चूड़ियाँ और 35 सोने की अंगूठियाँ शामिल थीं, जिनका कुल वजन 1.6 किलोग्राम था और जिनकी कीमत लगभग ?1.82 करोड़ थी। इन्हें विधिवत रूप से दस्तावेज़ीकृत करके ज़ब्त कर लिया गया।

स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ भारतः स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के दौरान सोलापुर, कलबुरगि, वाडी, कुर्डुवाडी, लातूर, पंढरपुर और अन्य स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के दौरान अपने समर्पित प्रयासों को जारी रखते हुए, तीसरे और चौथे दिन (3 और 4 अक्टूबर 2025) को 'स्वच्छ स्टेशन (स्वच्छ स्टेशन)' विषय के अंतर्गत व्यापक स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया।

3 अक्टूबर 2025 को, सोलापुर, कलबुर??गि, वाडी, कुर्डुवाडी, लातूर और पंढरपुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर गहन सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्लेटफार्मों, शौचालयों और जल निकासी प्रणालियों की व्यापक सफाई सुनिश्चित करना था, साथ ही सफाई मशीनों, उपकरणों, संयंत्रों और सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षात्मक उपकरणों की उपलब्धता और कार्यप्रणाली की जाँच करना भी था।

इन स्टेशनों पर गीले और सूखे कचरे को अलग करने के लिए पर्याप्त संख्या में दोहरे प्रकार के कूड़ेदान उपलब्ध कराए

गए और बायोडिग्रेडेबल और नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे को अलग-अलग किया गया। सी एंड डब्ल्यू (कैरिज एंड वैगन) प्रभारियों ने वाटर हाइड्रेंट पाइपों के स्टैकिंग और रखरखाव का निरीक्षण किया और उचित रखरखाव और ब्रैकेटिंग सुनिश्चित की।

4 अक्टूबर 2025 को, मंडल के अन्य स्टेशनों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें अरग, केम, नागणसुर, ?ढवलस, सांगोला, सलगरे, वाकाव, मलिकपेठ, अनगर, पारेवाडी, वाशिम्बे, पोफलज, जेऊर, मोहोल, बोरोटी, ताज सुल्तानपुर, मरतुर और हिरेनंदुरु शामिल थे। प्लेटफार्मों, कार्यालयों, पटरियों और स्टेशन के आसपास गहन सफाई की गई और जहाँ भी उपलब्ध था, शौचालयों की सफाई की गई।

पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, प्रमुख स्टेशनों पर नियमित रूप से घोषणाएँ की गईं, जिनमें एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित किया गया और इसके हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया। यात्रियों को यात्रा के दौरान कूड़ा न फैलाने, कचरा न ले जाने और रेलवे के वातावरण को स्वच्छ रखने की भी सलाह दी गई।

स्थायित्व प्रयासों के तहत, विद्युत विभाग द्वारा मंडल के विभिन्न स्थानों पर लगे रूफटॉप सौर पैनलों का निरीक्षण किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे ठीक से काम कर रहे हैं। दक्षता और उत्पादन बढ़ाने के लिए जहाँ भी आवश्यक हो, पैनलों की सफाई की गई।

जहाँ प्रमुख स्टेशनों पर कचरा पृथक्करण के लिए दोहरे प्रकार के डस्टबिन उपलब्ध हैं, वहीं छोटे स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या के अनुपात में एकल प्रकार के डस्टबिन उपलब्ध कराए गए हैं। स्टेशन प्रबंधक इनका उचित स्थान और उपयोग सुनिश्चित कर रहे हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के तहत इन निरंतर प्रयासों के माध्यम से, सोलापुर मंडल स्वच्छ, हरित और यात्री-अनुकूल स्टेशनों को बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जो स्वच्छ रेल - स्वच्छ भारत अभियान की भावना को दर्शाता है।

मीरा रोड में गरबा कार्यक्रम में फेंका गया अंडा, नितेश राणे ने जिहादी मानसिकता वालों को दी चेतावनी

ठाणे। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा विधायक नितेश राणे ने राज्य के मीरा रोड इलाके में एक हाउसिंग सोसाइटी में हुए गरबा कार्यक्रम पर अंडा फेंकने की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने साफ कहा कि 'जिहादी मानसिकता' वाले लोग बख्शे नहीं जाएंगे।

कब-कहां और क्या है पूरी घटना?

यह घटना 30 सितंबर की रात 10.30 बजे से 11 बजे के बीच हुई, जब एक व्यक्ति ने कथित तौर पर 16वीं मंजिल से जेपी नॉर्थ गार्डन सिटी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के कॉमन एरिया में अंडा फेंक दिया। पुलिस ने इस व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 300 के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा धार्मिक पूजा या समारोह में बाधा डालने वालों पर लागू होती है।

वहीं इस मामले पर मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री नितेश राणे ने कहा कि वे हिंदू समुदाय के साथ एकजुटता दिखाने आए हैं। उन्होंने चेतावनी दी, 'मैं यहां जिहादी मानसिकता वाले लोगों को चेतावनी देने आया हूं। उन्हें याद रखना चाहिए कि यह पाकिस्तान नहीं है। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' नितेश राणे ने स्थानीय पुलिस पर भी आरोप लगाया कि वे ऐसी घटनाओं पर आंखें मूंद लेते हैं।

उन्होंने कहा कि वे इस मामले को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को देंगे ताकि इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जा सके। इस घटना ने मीरा रोड में रहने वाले लोगों में डर और चिंता पैदा कर दी है। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षा नियमों का पालन करने और ऐसी घटनाओं की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

लोनी-प्रवरनगर देश में ग्रामीण विकास का एक आदर्श उदाहरण है - उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि लोनी-प्रवरनगर क्षेत्र से न केवल महाराष्ट्र, बल्कि पूरे देश को सहकारिता की विरासत मिली है। इस भूमि ने दिखाया है कि किसान संगठित होकर क्रांति ला सकते हैं। पद्मश्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल ने लोनी में सहकारी क्षेत्र का पहला चीनी कारखाना स्थापित करके सहकारिता की क्रांति ला दी। विट्ठलराव ने अपना पूरा जीवन इस बात के लिए समर्पित कर दिया कि किसानों के पसीने की कमाई का उचित मूल्य मिले, उनकी फसलों का अच्छा दाम मिले, और उनके बच्चे शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ें, और इसी विरासत को लोकनेता बालासाहेब विखे पाटिल ने संजोया। उन्होंने अपने कार्य को केवल सहकारिता और कृषि तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि प्रवर मेडिकल कॉलेज, प्रवर सहकारी बैंक, शैक्षणिक संस्थानों,

कृषि और स्वास्थ्य परियोजनाओं के माध्यम से पूरे अहिल्यानगर जिले को वास्तविक रूप से पुनर्जीवित किया। उसके बाद भी, अगली पीढ़ी ने इस कार्य को आगे बढ़ाया है और आज लोनी-प्रवरनगर देश में ग्रामीण विकास के एक मॉडल के रूप में जाना जाता है।

सहकारिता मंत्री शाह के नेतृत्व में, सहकारिता क्षेत्र तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। पुरानी परंपराओं को नई तकनीक और नवाचार के साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। चीनी उद्योग में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दिया गया है। केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि इसका लाभ किसानों को मिले।

उन्होंने सभी से आत्मनिर्भर बनने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। ??श्री शिंदे ने विश्वास व्यक्त किया कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण संकट में फंसे किसानों को केंद्र सरकार से मदद मिलेगी।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, आदेश जारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार ने भी कोल्ड्रिफ कफ सिरप के बेचने और इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी. रविवार (5 अक्टूबर) को जारी आदेश में कहा गया है कि जहां भी इस प्रोडक्ट का स्टॉक हो उसको फ्रीज (जब्त) किया जाए. मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत के बाद महाराष्ट्र सरकार ने ये फैसला लिया है. आदेश में कहा गया है कि महाराष्ट्र खाद्य एवं औषध प्रशासन को मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की दुखद मौत की सूचना मिली. इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, सभी लाइसेंसधारियों और आम जनता को तुरंत कोल्ड्रिफ सिरप (बैच नं. ऐं-13) की बिक्री, वितरण या उपयोग बंद करने

के निर्देश दिए जाते हैं।

गौरतलब है कि 'जहरीले' कफ सिरप को पीने से बच्चों की मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है. मध्य प्रदेश में अबतक 14 बच्चों की मौत हो चुकी है जबकि राजस्थान में 3 बच्चों की मौत से हड़कंप मचा है. मध्य प्रदेश में 14 बच्चों की मौत होने के बाद कोल्ड्रिफ कफ सिरप सवालों के घेरे में है. सबके मन में एक ही सवाल है कि कफ सिरप पीने से आखिर बच्चों की मौत क्यों हो गई? बच्चों की मौत के बाद मध्य प्रदेश में इस सिरप पर बैन लगा दिया गया. एक डॉक्टर को गिरफ्तार भी किया गया और निर्माता कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

जांच में जो खुलासे हुए हैं वो बेहद परेशान करने वाले हैं. कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी की कांचीपुरम यूनिट में हुई जांच में पता चला है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप में 48.6 फीसदी डायएथिलीन ग्लाइकोल मिला है. जबकि ये मात्रा 0.1 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए. बताया जा रहा है कि डायएथिलीन ग्लाइकोल काफी जहरीला होता है. दावा है कि कफ सिरप पीने से बच्चों की किडनी फेल हो गई. बच्चे गंभीर रूप से बीमार हो गए और उनकी मौत हो गई।

नदी जोड़ो परियोजना से राज्य में सूखे की समस्या दूर होगी - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि पद्मश्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल ने महाराष्ट्र में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत की और पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्मभूषण डॉ. बालासाहेब विखे पाटिल ने महाराष्ट्र में जल नियोजन के प्रति जागरूकता पैदा की। यह कहना गलत नहीं होगा कि दोनों की पूर्ण-लंबाई वाली प्रतिमाओं का अनावरण एक 'पद्मस्मरण' है। प्रवरनगर स्थित सहकारी चीनी मिल, जो एशिया की पहली सहकारी चीनी मिल है, अब 10,000 टन प्रतिदिन के लक्ष्य को प्राप्त कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वास्तव में अत्यंत हर्ष का विषय है।

महाराष्ट्र सहकारिता का उद्गम स्थल है। इस क्षेत्र के विकास का श्रेय डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल, धनंजयराव गाडगिल और वैकुंठभाई मेहता को जाता है। उन्होंने सहकारिता आंदोलन की आधारशिला रखी और प्रवरनगर में पहली सहकारी चीनी मिल स्थापित की गई। महाराष्ट्र में जहाँ भी सहकारिता आंदोलन पहुँचा, सहकारी चीनी मिलें पहुँचीं, वहाँ के किसान संतुष्ट हुए और

उस जगह का औद्योगीकरण भी अच्छी तरह हुआ, वहाँ के किसान समृद्ध हुए। पद्मभूषण बालासाहेब विखे पाटिल ने सहकारिता आंदोलन को आगे बढ़ाने के साथ-साथ महाराष्ट्र में जल संरक्षण आंदोलन को भी स्थापित करने का काम किया। राज्य सरकार ने उनके इस सपने को साकार करने और इसके माध्यम से राज्य में सूखे को समाप्त करने के लिए नदी जोड़ो परियोजना को लागू करने का निर्णय लिया है। विदर्भ में वैनगंगा-नलगंगा, तापी बेसिन में पानी लाने, उल्हास बेसिन में समुद्र में बहने वाले 54 टीएमसी पानी को उठाकर गोदावरी बेसिन में लाने और गोदावरी बेसिन में सूखे को समाप्त करने का काम इस सपने को साकार करने के लिए चल रहा है। अगले पाँच से सात वर्षों में चरणों में इस पूरे पानी को गोदावरी बेसिन में लाने के बाद, राज्य सरकार नासिक, अहिल्यानगर क्षेत्र और मराठवाड़ा में सूखे को अतीत की बात बनाने के लिए काम करेगी, ऐसा मुख्यमंत्री ने विश्वास के साथ कहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले सहकारिता के महत्व को समझा और अलग से सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की और सहकारिता के कार्यकर्ता के रूप में श्री शाह को पहले सहकारिता मंत्री के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। सहकारिता मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने त्वरित निर्णय लेकर इस क्षेत्र के नेताओं को आश्चर्यचकित कर दिया। राज्य में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 8 से 10 हजार करोड़ रुपये की सहायता दी गई। केंद्र सरकार के अच्छे निर्णय से सहकारिता आंदोलन को गति देने का काम हो रहा है। अब चीनी मिल की चक्रीय अर्थव्यवस्था को विकसित करने के प्रयास करने होंगे। चीनी मिल का मालिक एक किसान है, इसलिए सरकार उसके साथ खड़ी है, ऐसा श्री फडणवीस ने आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भारी बारिश के संकट से किसानों को उबारने के लिए एक योजना तैयार की जा रही है और केंद्र सरकार के सहयोग से जल्द ही पर्याप्त सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रियंका चतुर्वेदी ने दिलीप जायसवाल के बयान को बताया शर्मनाक, कहा- चुनाव आते ही बीजेपी बेकाबू...

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि बीजेपी की मानसिक दिवालियापन अब साफ नजर आने लगी है. प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बिहार चुनाव नज़दीक आते ही बीजेपी बेकाबू होती दिख रही है और चुनाव आयोग से जुड़ी आपत्तिजनक टिप्पणियां इसका प्रमाण हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी को समझ में आ गया है कि बिहार उनके हाथ से फिसल रहा है. उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हर संभव प्रयास किया लेकिन जनता अब सवाल पूछ रही है. लंबे समय तक केंद्र और राज्यों में सत्ता का हिस्सा रहने के बावजूद बीजेपी जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी. ऐसे में ध्यान भटकाने के लिए पार्टी नेताओं की ओर से शर्मनाक बयान दिए जा रहे हैं।

शिवसेना सांसद ने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा चुनाव आयोग को लेकर दिए जा रहे बयान लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत हैं. उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग को ऐसे सलाहकारों या नेताओं के नाम सीधे खारिज कर

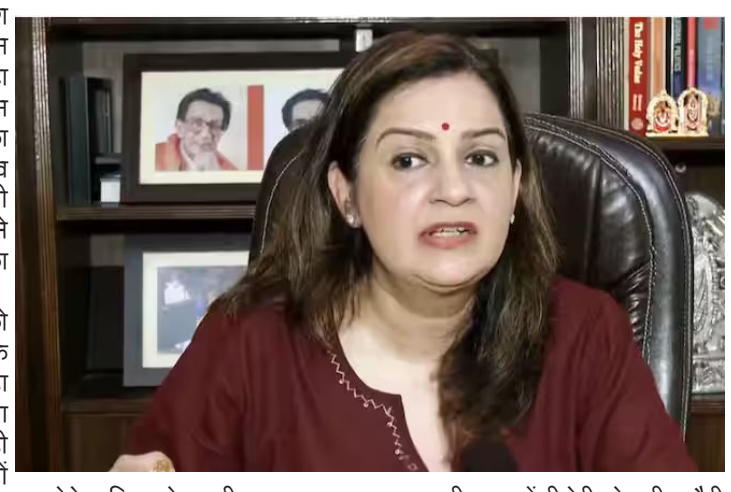

देने चाहिए, जो उसकी साख पर सवाल उठाते हैं. आईएएनएस को दिए बयान में उन्होंने कहा कि यह बयान न केवल राजनीति की गिरती भाषा को दर्शाता है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को भी चोट पहुंचाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव सर पर हैं ऐसे में अब माहौल गरमाने लगा है. बीजेपी के बयानों पर विपक्षी दल लगातार हमलावर हैं. प्रियंका चतुर्वेदी का यह बयान इस बात का संकेत है कि आगामी चुनाव में बीजेपी को कड़ी चुनौती मिल सकती है. विपक्ष बीजेपी को घेरने के लिए चुनाव आयोग और जनता के मुद्दों को प्रमुख हथियार बना रहा है, वहीं बीजेपी के भीतर से भी नेताओं के विवादित बयान उसकी मुश्किलें बढ़ा रहे हैं.

पोर्श कार दुर्घटना मामले में महाबलेश्वर स्थित अग्रवाल के होटल की सील खोली गई; भारी राजनीतिक दबाव के बाद लिया गया फैसला, क्या है असली मामला?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जानकारी सामने आई है कि पुणे के पोर्श कार दुर्घटना मामले में अग्रवाल परिवार के सरकारी ज़मीन पर बने अनधिकृत एमपीजी क्लब को होटल प्रशासन ने अग्रवाल परिवार को सौंप दिया है। भारी राजनीतिक दबाव के बाद इस होटल की सील हटाकर इसे फिर से अग्रवाल परिवार को सौंपने की चर्चा ज़ोरों पर है।

पुणे के पोर्श कार दुर्घटना मामले में विशाल अग्रवाल का महाबलेश्वर कनेक्शन सामने आने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। सरकारी संपत्ति में तीस साल की लीज़होल्ड ज़मीन पर स्थित पाँच सितारा एमपीजी क्लब होटल को सील कर दिया गया और होटल के बार को भी सील कर दिया गया। तब से लगभग एक साल बीत चुका है। हालाँकि, सतारा ज़िला प्रशासन ने गुपचुप तरीके से एक आदेश जारी कर होटल को वापस अग्रवाल परिवार को सौंप दिया है।

तब से यह मांग उठ रही है कि सरकार अग्रवाल परिवार की ज़मीन, जो सरकारी संपत्ति के रूप में लीज़ पर थी, वापस ले। तमाम नियमों का उल्लंघन करके और प्रशासन को धोखा देकर बनाए गए इस होटल की सील क्यों हटाकर अग्रवाल परिवार को वापस दी गई? इस मुद्दे पर गरमागरम बहस शुरू हो गई है। यह भी कहा जा रहा है कि ज़िला प्रशासन पर काफ़ी राजनीतिक दबाव था। अगर राजनीतिक दबाव था, तो लोग कह रहे हैं कि किस नेता पर था, यह भी सामने आना चाहिए।

सतारा ज़िला मजिस्ट्रेट ने इस होटल की सील खोलने का आदेश दिया है, जिसमें यह भी कहा गया है कि इस संपत्ति का व्यावसायिक उपयोग तुरंत रोका जाए और संपत्ति का उपयोग केवल मूल जिमखाना उद्देश्य के लिए ही किया जाए। हालाँकि, दूसरी ओर यह भी कहा गया है कि अगर वादी उपयोग बदलना चाहते हैं, तो उन्हें महाराष्ट्र सरकार के संबंधित विभागों से अनुमति लेनी होगी। इससे यह संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि क्या अग्रवाल परिवार आने वाले समय में 30 साल की लीज़ पर ली गई सरकारी ज़मीन का इस्तेमाल कर पाएगा। महाबलेश्वर में सरकारी ज़मीन पर हो रहे अवैध कामों के चलते लीज़ की संपत्ति के निरीक्षण की भी माँग उठ रही है। इस घटना के बाद अग्रवाल परिवार एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

सहकारिता की यात्रा को दिशा देने वाला क्षण - उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपमुख्यमंत्री श्री पवार ने कहा, डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल ने प्रवरनगर की पहाड़ी पर एशिया का पहला सहकारी चीनी कारखाना स्थापित किया और इससे महाराष्ट्र को देश में सहकारी चीनी उद्योग को एक नई दिशा मिली, महाराष्ट्र सचमुच समृद्ध हुआ। देश के पहले सहकारिता मंत्री के रूप में अमित शाह ने चीनी कारखानों के लिए आयकर समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इसलिए, देश के पहले सहकारिता मंत्री अमित शाह के हाथों सहकारिता आंदोलन के जनक पद्मश्री डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल और सहकारिता आंदोलन के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले नेता डॉ. बालासाहेब विखे पाटिल की पूर्ण-लंबाई वाली प्रतिमा का अनावरण एक अद्भुत योग है। यह सहकारिता की यात्रा को एक नई दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण क्षण है, यह सहकारिता की सदी का एक स्वर्णिम पृष्ठ है।

किसान की अपनी ताकत होती है।

एशिया का पहला सहकारी चीनी कारखाना प्रवरनगर में सहकारिता के माध्यम से इसे पहचान दिलाने और मजबूत बनाने के विचार से स्थापित किया गया था। यह केवल एक उद्योग नहीं था, बल्कि ग्रामीण भारत में परिवर्तन का एक प्रस्थान बिंदु था। आज, जैसे-जैसे इस कारखाने की क्षमता बढ़ रही है, किसानों को भी नई तकनीकों को अपनाना होगा और उत्पादन बढ़ाना होगा। सहकारिता के माध्यम से किसानों के घरों में समृद्धि आई, उनकी मदद से शिक्षण संस्थान स्थापित हुए, साथ ही लक्ष्मी, सरस्वती भी ग्रामीण क्षेत्रों में फलने-फूलने लगीं। जब सहकारिता आंदोलन कठिनाइयों का सामना कर रहा था, तब केंद्र सरकार ने 'सहकारिता से समृद्धि' की अवधारणा को लागू किया। केंद्र ने गुड़ पर कर को 28 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। श्री पवार ने कहा कि नव स्थापित सहकारी क्षेत्र ने राज्य के सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करने के लिए जल्द ही पंचनामा पूरा किया जाएगा और किसानों को पर्याप्त सहायता प्रदान की जाएगी। सरकार किसानों के साथ खड़ी रहेगी।

पालकमंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने अपने परिचय में कहा, 'आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। सहकारिता मंत्री दूसरी बार प्रवरनगर आ रहे हैं। वे देश के पहले सहकारिता मंत्रालय का दायित्व कुशलता से संभाल रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से सहकारिता आंदोलन को दिशा देने का कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार राज्य को सूखामुक्त बनाने के लिए पश्चिमी चैनल नदियों का पानी मराठवाड़ा में लाने का काम कर रही है। आने वाले समय में राज्य निश्चित रूप से सूखामुक्त होगा। सहकारिता आंदोलन के विचारों से कभी समझौता नहीं होने दिया जाएगा।'

प्रवर औद्योगिक समूह की ओर से राज्य में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु एक करोड़ रुपये का चेक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सौंपा गया।

इस अवसर पर विधायक रवींद्र चव्हाण, शिवाजीराव कर्डिले, मोनिका राजले, अमोल खटाल, आशुतोष काले, किरण लाहमटे, विक्रम पाचपुते, विट्ठलराव लंघे, काशीनाथ दाते, प्रवर अभिमत विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. राजेंद्र विखे पाटिल, पूर्व मंत्री अन्नासाहेब म्हस्के पाटिल, पूर्व सांसद डॉ. सुजय विखे पाटिल और अन्य उपस्थित थे।

गरबा के बाद सिक्योरिटी गार्ड की चाकू मारकर हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उलवे सेक्टर 25 'ए' स्थित वैकुंठ बिल्डिंग में गरबा खेलने को लेकर हुआ मामूली विवाद शुक्रवार देर रात खूनी झगड़े में बदल गया. इस झगड़े में बिल्डिंग के सिक्योरिटी गार्ड उदय केहरि सूद (26) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. घटना के तुरंत बाद उलवे पुलिस ने मुख्य आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार (4 सितंबर) देर रात करीब 1 बजे हुई. मृतक गार्ड उदय सूद और मुख्य आरोपी ऋषिकेश रामदास रांजने (27), जो एस्टेट एजेंट हैं, उनके बीच पहले भी अक्सर झगड़े होते रहे थे. दूसरा आरोपी सूरज रत्नलाल जेसवाल है. घटना के दिन भी दोनों के बीच तीखी बहस हुई. बताया गया कि गार्ड ने ताले से आरोपी

के सिर पर हमला किया, जिसके जवाब में ऋषिकेश ने अपने पास रखे चाकू से उदय के पेट पर वार कर दिया.

गंभीर रूप से घायल उदय सूद की मौके पर ही मौत हो गई. घटना को अंजाम देने के बाद ऋषिकेश मृतक का मोबाइल लेकर फरार हो गया. बिल्डिंग निवासियों और पड़ोसियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी. उलवे पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों और टीम के साथ मुख्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी नवरात्रि के दौरान रोजाना देर से गरबा खेलने लौटते थे, जिससे बिल्डिंग निवासियों को असुविधा होती थी. यही विवाद कई बार गार्ड और आरोपी के बीच बढ़ चुका था. इस दिन भी मामूली झगड़ा गंभीर हिंसा में बदल गया, जिससे उदय सूद की जान चली गई.

सूचना मिलते ही पुलिस ने तकनीकी सहायता और मुखबिरों की मदद से आरोपी की खोज शुरू की. शनिवार सुबह भागने की तैयारी में जुटे ऋषिकेश को पनवेल से गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपी के खिलाफ हत्या (आईपीसी की धारा 302) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. वहीं, सूरज रत्नलाल को अपराध में सहयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि घटना में अन्य कोई शामिल तो नहीं था. उलवे सेक्टर 25 'ए' की यह घटना स्थानीय लोगों में सनसनी पैदा कर रही है, क्योंकि मामूली विवाद अचानक हिंसा में बदल गया. पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी है और आम लोगों से संयम बरतने की अपील की है।

लिडकॉम की प्रदर्शनी को मिली सहज प्रतिक्रिया- प्रबंध निदेशक प्रेरणा देशभ्राता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के अंतर्गत कार्यरत संत रोहिदास चमड़ा उद्योग एवं चमड़ा श्रमिक विकास निगम (लिडकॉम) ने मंत्रालय के त्रिमूर्ति परिसर में चमड़ा उत्पादों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। संत रोहिदास चमड़ा उद्योग एवं चमड़ा श्रमिक विकास निगम की प्रबंध निदेशक प्रेरणा देशभ्राता ने बताया कि प्रदर्शनी को सहज प्रतिक्रिया मिली।

प्रबंध निदेशक प्रेरणा देशभ्राता ने बताया कि यह प्रदर्शनी 29 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की गई थी। इस प्रदर्शनी का अवलोकन सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक वुइके, सामाजिक न्याय राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने किया। साथ ही, सामाजिक न्याय विभाग के प्रधान सचिव डॉ. हर्षदीप कांबले और आदिवासी विकास विभाग के प्रधान सचिव विजय वाघमारे ने इस प्रदर्शनी के लिए मार्गदर्शन किया।

इस निगम का मुख्य उद्देश्य राज्य में चमड़ा उद्योग का विकास करना, चमड़ा उद्योग में कारीगरों और तकनीक का विकास करना, चमड़े की वस्तुओं और जूते के उत्पादन के लिए बाजार उपलब्ध कराना और साथ ही चमड़ा उद्योग को प्रोत्साहित कर इसके विकास को बढ़ावा देना है। निगम के राज्य में चार उत्पादन केंद्र और छह चमड़े की वस्तुओं और जूते के विक्रय केंद्र हैं। राज्य के चमड़ा श्रमिकों द्वारा उत्पादित चमड़े की वस्तुओं और जूतों, विशेष रूप से निगम द्वारा उत्पादित कोल्हापुरी चप्पलों के लिए एक बड़ा बाजार उपलब्ध कराना है। इनके प्रचार-प्रसार और कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है, ऐसा निगम की प्रबंध निदेशक प्रेरणा देशभ्राता ने बताया।

बुलढाना में देवी विसर्जन जुलूस पर पत्थरबाजी, 20 से अधिक घायल, मूर्तियां भी खंडित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के बुलढाना जिले के बावनबीर गांव में 4 अक्टूबर की शाम करीब 8 बजे देवी की मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान पत्थरबाजी का मामला सामने आया है. जुलूस में शामिल लोगों पर अचानक पत्थरबाजी हुई, जिससे 20 से 25 लोग घायल हो गए. मूर्ति भी इस दौरान खंडित हो गई. फिलहाल गांव में पुलिस का कड़ा बंदोबस्त है और भारी पुलिस बल तैनात कर शांति बनाए रखी जा रही है।

पुलिस के अनुसार, यह जुलूस हर साल आयोजित होता है और इस बार भी उत्सव का माहौल था. मूर्ति विसर्जन के दौरान रास्ते में खड़ी बाइक को हटाने को लेकर जुलूस और कुछ लोगों के बीच बहस हुई. बहस के बाद विवाद बढ़ा और पत्थरबाजी शुरू हो गई. घटना स्थल पर मौजूद लोगों और पुलिस

ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया.

बावणबीर पुलिस ने बताया कि मामले की जांच कई एंगल से की जा रही है. घटना की सीसीटीवी फुटेज और विभिन्न स्रोतों से जांच करके कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गांव में तनाव फैलने से पहले ही स्थिति को नियंत्रित किया. घायल लोगों का सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है और किसी की स्थिति गंभीर नहीं बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने मूर्ति का विसर्जन आज सुबह शांति से करवाया. पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और शांतिपूर्वक रहें. बावनबीर गांव में फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और प्रशासन लगातार निगरानी रखे हुए है. स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इस तरह की घटनाएँ भविष्य में नहीं होंगी और उत्सव पूर्ववत शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाएंगे।

भारत बनाम पाकिस्तान वीमेंस मैच पर अलका लांबा बोलीं, 'सबकुछ ताक पर रखकर सिफ...

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत बनाम पाकिस्तान महिला विश्व कप मैच पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि चाहे वह महिलाओं का मैच हो या पुरुषों का हो, मेरी निजी राय है कि भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होने चाहिए. उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र किया और कहा हमारे निर्दोष लोग मारे गए, ऐसे माहौल में तो बिल्कुल भी मैच नहीं होने चाहिए थे. कांग्रेस नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि सबकुछ ताक पर रखकर सिर्फ पैसा और क्रिकेट को अहमियत दी गई.

अलका लांबा ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, "पहलगाम में आतंकी हमला होता है, हमारे निर्दोष लोग, बिल्कुल आम नागरिक मारे जाते हैं, उनका परिवार

उनके लिए शहीदी का दर्जा मांगता है. वो छह आतंकियों को ढूंढकर उसे सजा दिलाने की बात करता है, लेकिन उनकी कोई परवाह ही नहीं है."

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, "देश क्या चाह रहा था, वो नहीं हुआ. तो पैसा देखा गया, भावनाएं नहीं देखी गईं हैं. मारे गए लोगों का परिवार भी नहीं चाहता था कि इस माहौल में क्रिकेट मैच हो, पहले न्याय दिलाइए, शहीदी का दर्जा दिलाइए, उन आतंकियों को सजा दिलाइए, सबकुछ ताक पर रखकर सिर्फ पैसा और क्रिकेट को अहमियत दी गई. इससे देश को बहुत पीड़ा पहुंची है." ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' पर सवाल उठाने वाले विरोधियों को जवाब भी दिया. उन्होंने कहा, "जो लोग पूछते हैं कि राहुल गांधी को 'भारत जोड़ो यात्रा' करने की क्या जरूरत थी. वो यात्रा आज भी उसका अस्तित्व और मायने रखती है. ये नफरत और जहर के बीज धर्म के आधार पर बो दिए गए हैं." उन्होंने बरेली का जिक्र करते हुए कहा, "बरेली में अगर किसी मुस्लिम ने 'आई लव मोहम्मद' कह दिया है तो आपत्ति क्या थी? लेकिन आपने पूरा बरेली जला दिया. बुलडोजर चला रहे हैं, जिसे मुख्य न्यायाधीश जिसे अंसवैधानिक, गैरकानूनी बता रहे हैं. आज उसी आधार पर एक गर्भवती महिला को अस्पाताल और उसके डॉक्टर ने इलाज देने से मना कर दिया. ये अमानवीय और शर्मसार करने वाली घटना है. अस्पताल और उस डॉक्टर का लाइसेंस रद्द होना चाहिए. धर्म के आधार पर मुस्लिम और दलितों को टारगेट किया जा रहा है, वो रुकना चाहिए."

सम्पादकीय

थलसेना, वायुसेना प्रमुख के बयान शब्दों का खेल नहीं, भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक हैं

भारतीय सेना और वायुसेना प्रमुख के ताजा बयानों ने पाकिस्तान और उसके आकाओं को स्पष्ट संकेत दे दिया है– भारत अब पुराने संयम और धैर्य के खोल में कैद रहने वाला देश नहीं रहा। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली के पास न केवल निर्णायक सैन्य क्षमता है, बल्कि उसे इस्तेमाल करने का संकल्प भी है। यही संकल्प हमारे सेनाध्यक्ष और वायुसेना प्रमुख की वाणी में गूंजता दिखाई देता है। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के अनूपगढ़ मोर्चे से पाकिस्तान को दो-टूक चेतावनी दी कि अगर राज्य प्रायोजित आतंकवाद जारी रहा तो इस्लामाबाद को ङ्घविश्व मानचित्र पर अपनी जगह पर पुनर्विचार करना होगा।ङ्घ यह बयान महज शब्दों का खेल नहीं, बल्कि उस भारत का प्रतिबिंब है जो अपने सैनिकों और नागरिकों पर हमले का जवाब चुपचाप सहन करने को अब तैयार नहीं। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने भारत की रणनीति को और तेज़ कर दिया है। सेना प्रमुख ने साफ़ कहा कि पिछली बार दिखाया गया संयम अब नहीं दोहराया जाएगा। संदेश सीधा है– भारत अब अपनी रक्षा नहीं, बल्कि दुश्मन की आक्रामकता को जड़ से मिटाने की रणनीति अपनाएगा। सैनिकों को लगातार सतर्क रहने और ङ्घपूरी तरह तैयारङ्घ रहने का आदेश भी यही दिखाता है कि सीमा पार हर हरकत का जवाब अब उसी भाषा में मिलेगा। दूसरी ओर, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान की ङ्घमनोरंजनक कहानियोंङ्घ को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। एफ-16 और जेएफ-17 जैसे लड़ाकू विमानों, विशेष मिशन विमानों और महत्वपूर्ण एयरबेस को भारतीय हमलों ने तबाह कर दिया। 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर एस-400 द्वारा मार गिराया गया दुश्मन का विशेष विमान भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का साक्षात प्रमाण है। देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है। यह वही वैश्विक माहौल है जिसने भारतीय नेतृत्व को और निर्भीक बना दिया है।

आज भारत का आत्मविश्वास केवल हथियारों की नोक पर नहीं, बल्कि नैतिक बल और सामरिक स्पष्टता पर टिका है। आतंकवाद को मिटाने का भारत का अधिकार अब विवाद का विषय नहीं रहा। सवाल सिर्फ यह है कि पाकिस्तान कब तक झूठ और इंकार की आड़ में अपनी नाकामियों को छिपाता रहेगा।

इतिहास गवाह है कि 1965 और 1971 के युद्धों में आम नागरिकों ने भी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाया था। सेनाध्यक्ष ने उस परंपरा को याद दिलाकर साफ़ कर दिया है कि आने वाली जंग, अगर पाकिस्तान ने विवेक नहीं दिखाया, तो केवल सेनाओं की नहीं होगी, यह राष्ट्र की सामूहिक चेतना और सामर्थ्य की जंग होगी।

देखा जाये तो आज भारतीय सेना और वायुसेना न केवल तकनीकी आधुनिकीकरण, बल्कि रणनीतिक सोच में भी नए युग में प्रवेश कर चुकी हैं। ड्रोन से लेकर मिसाइल डिफेंस तक, हर स्तर पर भारत की तैयारी यह बताती है कि दुश्मन की हर चाल का जवाब कहीं अधिक ताकतवर और घातक होगा।

पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत बदल चुका है। यह नया भारत संयम और प्रतीक्षा का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक है। और जब कोई राष्ट्र अपने सैनिकों, तकनीक और नैतिक बल–तीनों में इतना आत्मविश्वासी हो जाए, तो उसे रोकना असंभव हो जाता है।

आरएसएस की 'राष्ट्र सर्वोपरि' साधना के 100 वर्ष

प्रो डॉ दयानंद तिवारी
प्रोफेसर एवं शोध आचार्य
हिंदी विभाग
श्री जे जे टी विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रचेतना की जीवंत धारा है। सन् 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा इसकी स्थापना के समय किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह विचार एक दिन भारत की आत्मा का प्रतिनिधि बनेगा। संघ का उद्देश्य कभी राजनीतिक सत्ता नहीं रहा; इसका ध्येय रहा है – 'राष्ट्र सर्वोपरि।' आज उसकी सफलता का रहस्य इन्हीं सिद्धांतों में छिपा है।

विचार के प्रति निष्ठा :-

आरएसएस का आधार व्यक्ति नहीं, विचार है। संघ का हर स्वयंसेवक 'व्यासक्ति नहीं, त्याग' के सूत्र को जीता है। संघ के लिए राष्ट्र कोई राजनीतिक भूभाग नहीं, बल्कि माँ भारती है। इसी भाव ने करोड़ों स्वयंसेवकों को निस्वार्थ भाव से सेवा के मार्ग पर अग्रसर किया है।

अनुशासन और आत्मबल :-

संघ की शाखाएँ उसकी आत्मा हैं। यहाँ न कोई बाध्यता है, न आदेश; केवल आत्मानुशासन है। शाखाओं में लाखों स्वयंसेवक एक लय में खड़े होकर राष्ट्रगान, व्यायाम और प्रार्थना करते हैं –यह दृश्य केवल अभ्यास नहीं, राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। संघ की यही अनुशासन संस्कृति उसे स्थायित्व और सम्मान दिलाती है।

निरंतरता की साधना :-

संघ का इतिहास उतार-चढ़ाव से भरा है – प्रतिबंध, विरोध, आपातकाल, असत्य आरोप – सबका सामना उसने शांति और संयम से किया। फिर भी उसका कार्य कभी रुका नहीं, क्योंकि संघ व्यक्ति नहीं, कार्य-संकल्प से चलता है। इस निरंतरता ने उसे एक जीवंत आंदोलन बनाया है।

सेवा के माध्यम से समाज-निर्माण :-

आरएसएस का चौथा सूत्र है – सेवा ही सर्वोच्च साधना। भूकंप, बाढ़, महामारी या युद्ध – हर संकट में संघ के स्वयंसेवक अग्रिम पंक्ति में रहे। कोरोना काल में लाखों कार्यकर्ताओं ने भोजन वितरण, चिकित्सा सहायता और जनजागरण का कार्य किया। यह केवल सामाजिक कार्य नहीं, करुणा और कर्म का संगम है।

परिवर्तन के साथ सामंजस्य :-

संघ की सबसे बड़ी विशेषता है उसकी अनुकूलन क्षमता। वह परंपरा का रक्षक है, परंतु आधुनिकता का विरोधी नहीं। डिजिटल युग में संघ ने तकनीक को साधन बनाया । सोशल मीडिया से लेकर ऑनलाइन संवाद तक उसने अपने कार्यक्षेत्र को व्यापक किया। शाखाओं में अब पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर भी चर्चा होती है। यही संतुलन उसे सदैव प्रासंगिक बनाए रखता है।

आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक नवजागरण :-

संघ का दृष्टिकोण केवल धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का है। वह भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्रामोदय, शिक्षा, स्वदेशी उद्योग और सेवा संस्थाओं के माध्यम से कार्य कर रहा है। 'वसुधैव कुटुंबकम' का भाव उसके प्रत्येक कार्यक्रम में झलकता है।

आलोचना के प्रति सहिष्णुता:-

संघ की यह भी विशेषता रही है कि उसने हर आलोचना को आत्ममंथन का अवसर माना। विरोध के बीच भी संयम उसका स्वभाव है। इस सहिष्णुता ने उसे और मजबूत बनाया है। संघ जानता है – मूल्यवान वृक्ष ही सबसे अधिक पत्थर झेलता है।

चरित्र-निर्माण का अभियान:-

आरएसएस का सबसे बड़ा योगदान यह है कि उसने भारतीय समाज में चरित्र-निर्माण की संस्कृति को पुनर्जीवित किया। शाखा केवल व्यायाम या प्रार्थना का स्थान नहीं, बल्कि राष्ट्रभावना की पाठशाला है। यहाँ स्वयंसेवक समाज, धर्म, संस्कृति और कर्तव्य का अर्थ सीखते हैं। संघ का यह नैतिक आधार आज के युग में दुर्लभ है।

सफलता का सूत्र :-

आरएसएस की सफलता किसी प्रचार या राजनीतिक रणनीति का परिणाम नहीं है।यह एक साधना, संस्कार और संघर्ष की निरंतर यात्रा है। इसने भारत को 'एक राष्ट्र, एक भावना, एक आत्मा' के सूत्र में बाँधा है। आज जब विश्व सांस्कृतिक संकट से गुजर रहा है। संघ भारत की उस चेतना का प्रतिनिधि है जो कहती है । 'संघर्ष में भी समरसता, विरोध में भी विनम्रता, और जीवन में केवल राष्ट्रभक्ति ही परम धर्म है।'

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ

की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

सांप-बिच्छू, दलदल से भरे सर क्रीक पर पाकिस्तानी कदमों की आहट से ही पूरा इतिहास-भूगोल बदलने को भारत क्यों हो गया तैयार?

2 अक्टूबर यानी अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी का जन्म दिवस जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात के भुज एयरबेस पर मौजूद थे। यहां उन्होंने शस्त्र पूजा की और इस दौरान सर क्रीक का जिक्र किया। सर क्रीक खारे पानी का एक दलदलीय इलाका है। हिंदुस्तान पाकिस्तान के बीच गुजरात में चल रहे सीमा विवाद का एक कारण बना हुआ है। ये एक ऐसी सरहद है जहां जमीन का हिस्सा दिन में दो बार पानी के नीचे जाता है। यहां पर तैरिती हुई चौकियां हैं और जवान नावों से इन चौकियों पर पहुंच इलाके में पैट्रोलिंग करते हैं। क्यों आज तक सर क्रीक का मुद्दा भारत पाकिस्तान के बीच सुलझ नहीं सका और अचानक भारत की तरफ से पाकिस्तान को चेतावनी क्यों दी गई? इन सवालों का आज एमआरआई स्कैन करेंगे।

सर क्रीक का मूल नाम 'बाण गंगा' था और इसका वर्तमान नाम एक ब्रिटिश अधिकारी के नाम पर पड़ा। यह क्रीक भारत-पाकिस्तान सीमा पर 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय मुहाना है, जो भारत में गुजरात और पाकिस्तान में सिंध के बीच स्थित है। यह नदी अरब सागर में बहती है और समुद्री सीमाओं, प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और सामरिक प्रभुत्व को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद के केंद्र में है।

सर क्रीक विवाद दोनों देशों द्वारा औपनिवेशिक काल की सीमा रेखाओं की अलग-अलग व्याख्याओं से उपजा है। सिंधु नदी के बदलते जलमार्ग ने वर्षों में इस मामले को और जटिल बना दिया है। इस विवाद को पहली बार 1914 में बंबई सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से संबोधित किया गया था। इसने तत्कालीन अविभाजित भारत में सिंध और कच्छ क्षेत्रों के बीच विवाद को सुलझाया था। यह विवाद विभाजन के लगभग चार दशक बाद शुरू हुआ और 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद और तीव्र हो गया। 1965 के युद्ध में पाकिस्तान की हार के बाद, कच्छ के रण (और सर क्रीक) सीमा विवाद संयुक्त राष्ट्र न्यायाधिकरण के पास गया। 1965 के 'सीमा निर्धारण समझौतों' के तहत, दोनों देश सीमा का अंतिम निर्धारण करने के लिए एक न्यायाधिकरण की स्थापना पर सहमत हुए। इरहम विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में कहा गया है कि न्यायाधिकरण ने कच्छ के रण क्षेत्र में भारत के 90ङ्घ दावों पर सहमति व्यक्त की तथा पाकिस्तान को केवल कुछ ही क्षेत्र दिए। भारत-पाकिस्तान पश्चिमी सीमा न्यायाधिकरण की 1968 की रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता न्यायाधिकरण को प्रस्तुत किए गए मामलों से नीली बिंदीदार रेखा के साथ सीमा के उस हिस्से को बाहर कर देता है, जैसा कि भारतीय मानचित्र ँ-44 और पाकिस्तान संकल्प मानचित्र में दर्शाया गया है, साथ ही सर क्रीक में स्थित सीमा भी। जहाँ पाकिस्तान 1914 के एक प्रस्ताव का हवाला देता है और तर्क देता है कि भले ही इसे दलदल, दलदली भूमि या रेगिस्तान माना जाए, कच्छ का रण एक विस्तृत प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य करता है, जिसे एक मध्य रेखा द्वारा समान रूप से दो भागों में विभाजित किया जाना चाहिए, वहीं भारत अपने दावों को पुष्ट करने के लिए 1925 के एक प्रस्ताव के संशोधन का हवाला देता है। अपनी ताज़ा चेतावनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल सतर्कतापूर्वक सीमा की रक्षा कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि जिस तरह से हाल ही में पाकिस्तान की फौज ने सर क्रीक से सटे इलाके में मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया है, उससे पता चलता है कि पाकिस्तान की नीयत में खोट है। 1965 के युद्ध में भारतीय सेना ने दिखा दिया था कि वह लाहौर तक पहुँचने में सक्षम है। सिंह ने आगे कहा आज, 2025 में पाकिस्तान को याद रखना होगा कि कराची जाने का एक रास्ता इसी खाड़ी से होकर गुजरता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आजादी के 78 साल बीत जाने के बावजूद भी सर क्रीकइलाके में सीमा को लेकर एक विवाद खड़ा किया जाता है। भारत ने कई बार बातचीत के रास्ते इसका समाधान करने की कोशिश की, मगर पाकिस्तान की नीयत में ही खोट है। जिस तरह से हाल में पाकिस्तान की फौज ने सर क्रीक से सटे इलाकों में अपना मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर बढाया है, वह उसकी नीयत बताता है।

न्यायाधिकरण ने ईस्ट इंडिया कंपनी और कच्छ के शासकों के बीच 1819 की संधि से जुड़े व्यापक ऐतिहासिक साक्ष्यों की जाँच की। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि इस संधि के बाद से कच्छ की सीमा अपरिवर्तित रही है। भारत ने दावा किया कि उसकी सीमा कच्छ के रण के उत्तरी किनारे पर स्थित है, जैसा कि विभाजन-पूर्व मानचित्रों में दर्शाया गया है, तथा उसे केवल सीमांकन की आवश्यकता है। पाकिस्तान ने ठमध्य रेखा सिद्धांतठ के अनुप्रयोग के लिए तर्क दिया, तथा कहा कि रण को अंतर्देशीय समुद्रों और झीलों को नियंत्रित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कानून सिद्धांतों के आधार पर दोनों देशों के बीच समान रूप से विभाजित किया जाना चाहिए। भारत ने तर्क दिया कि न्यायाधिकरण का काम यह पता लगाना था कि सीमा कहाँ है, न कि अमूर्त सिद्धांतों के अनुसार उसे कहाँ होना चाहिए। भारत का कहना था कि रण ज़मीन है, कोई जल-क्षेत्र नहीं, और किसी भी सामान्य नियम के अनुसार जल-सीमाओं का मध्य रेखाओं का अनुसरण करना आवश्यक नहीं है। भारत का कहना है कि ईस्ट इंडिया कंपनी और कच्छ के शासकों के बीच 1819 की संधि के बाद से कच्छ का क्षेत्रीय विस्तार अपरिवर्तित रहा है। रण 1819 से पहले भी पारंपरिक रूप से कच्छ क्षेत्र का हिस्सा था।

सर क्रीक का सैन्य महत्व कम है, लेकिन आर्थिक रूप से इसका बहुत महत्व है। माना जाता है कि इस क्षेत्र में तेल और गैस के भंडार हैं, और इस क्रीक पर नियंत्रण समुद्री सीमाओं, विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) और महाद्वीपीय तटों के सीमांकन को प्रभावित करता है। यह विवाद स्थानीय मछुआरों को भी प्रभावित करता है, जो अक्सर अनजाने में दूसरे देश के जलक्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और गिरफ्तार कर लिए जाते हैं। हालाँकि अंतर्राष्ट्रीय कानून न्यूनतम दंड का प्रावधान करता है, फिर भी भारत और पाकिस्तान दोनों ही मछुआरों को लंबे समय तक हिरासत में रखते हैं, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित होती है।

प्रयाग उत्थान समिति समाज सेवा के क्षेत्र में नई उड़ान भरेगी : डॉ उदय प्रताप सिंह

2000 सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति की बैठक ठाकुर हरनारायण सिंह ग्रुप आफ कॉलेज में आयोजित किया गया बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रयाग उत्थान समिति समाज सेवा के क्षेत्र में एक नई उड़ान भरेगी जिसको लेकर समिति महानगर के सभी वार्डों में सदस्यता अभियान शुरू करेगी और 2000 सदस्यों को जोड़ने की तैयारी करने जा रही है और कहा कि समिति शिक्षा, चिकित्सा, सहित जरूरत मंदों की सेवा पर विषेष रूप से कार्यरत होगी

उपाध्यक्ष राजेश केसरवानी ने बताया कि सदस्यता अभियान के पश्चात 9 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में आयोजित किया जाएगा

संचालन महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने किया और कहा कि समिति हर वार्ड में 21 सदस्यों को जोड़ेगी जिसमें 11 पुरुष और 10 महिलाओं को जोड़ेगी इस अवसर पर डॉ अनुराग सिंह, हरीश त्रिपाठी, अजीत सिंह, सीमा केसरवानी, पुष्पा तिवारी, अभिलाष केसरवानी, प्रदीप पांडेय, शकुंतला मिश्रा, प्रिया सिंह, शिवम् अग्रहरि, सत्यम, शिवम्, अरूण, रजत सोनकर, मोनू सेठ, शिर्वाचन पांडे, अजय निषाद, महिमा केसरवानी, सचिन यादव, आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र का जीएसटी बचत उत्सव' कार्यक्रम किया गया आयोजित

जीएसटी रिफॉर्म्स ने देश की अर्थव्यवस्था को दी नई रफ़्तार : नन्दी

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित जीएसटी सुधारों के अन्तर्गत रविवार को बाई का बाग स्थित एक होटल में प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र का जीएसटी बचत उत्सव' कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ ही औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी भी सम्मिलित हुए।

मंत्री नन्दी ने बचत उत्सव में उपस्थित देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ व्यापारी भाइयों का स्वागत और अभिनन्दन किया।

मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ भारतीयों को अपना परिवार मानकर उनकी समृद्धि और खुशहाली के लिए निरन्तर काम कर रहे हैं।

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, गुजरात से लेकर अरुणाचल तक प्रत्येक गाँव-प्रत्येक घर तक विकास की रौशनी पहुँचाने के लिए समर्पित भाव से निरन्तर काम किया है।

जीएसटी रिफॉर्म्स भी इसी विकास यात्रा का बेहद महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस कदम ने देश की अर्थव्यवस्था के दोनों महत्वपूर्ण पहियों को नई रफ़्तार दी है। व्यापारी और उपभोक्ता दोनों को ही करों के अतिरिक्त बोझ से राहत मिली है।

व्यापारी समुदाय ने सदैव इस देश के निर्माण में अपने परिश्रम और ईमानदारी से अतुलनीय योगदान दिया है। पिछले 11 वर्षों के दौरान जनता के टैक्स के पैसे से देश के सबसे अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के कल्याण की तमाम योजनायें संचालित हुईं।

आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में

स्थापित हुआ है।यह उपलब्धि जितनी देश की है उतनी ही आम जनता की भी है।

सपा बसपा की सरकारों में व्यापारियों का केवल उत्पीड़न हुआ है। सैम्पल भरने के नाम पर, छापे के नाम पर वसूली का कारोबार चलता था। लेकिन व्यापारी भाजपा से जुड़े रहे। आज डबल इंजन की हमारी सरकार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भयमुक्त व्यापार का माहौल बना है।

प्रदेश में आज एक तरफ कानून व्यवस्था बेहतर हुई है तो दूसरी ओर नीतिगत सुधार के निर्णय भी आमजन को राहत प्रदान कर रहे हैं। इसी कड़ी में जीएसटी सुधार देश के मध्यम वर्ग जिसमें बड़े पैमाने पर व्यापारी भी शामिल हैं, उन्हें राहत प्रदान करेगा। उनकी प्रगति और समृद्धि के द्वार खोलेगा।

इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रयाग व्यापार मंडल अध्यक्ष राणा चावला, अध्यक्ष इण्डस्ट्री एसोसिएशन राजीव नैयर, अध्यक्ष गल्ला एवं तिलहन व्यापार मंडल सतीश केसरवानी, कार्यक्रम संयोजक विक्रमजीत सिंह भदौरिया, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, अध्यक्ष प्रयागराज मशीनरी एसोसिएशन अम्बरीश खुराना, अध्यक्ष प्रयागराज केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन अनिल दुबे, अध्यक्ष शाहगंज व्यापार मंडल अनिमेश अग्रवाल, मंत्री प्रयाग व्याापार मंडल महमूद अहमद खान, पल्लवी अरोड़ा, मुदित नैयर, रतन अग्रवाल, केवल खुराना, कवल गुलाटी, पूर्व राज्य मंत्री बाबू लाल भवरा, मुट्ठीगंज मंडल अध्यक्ष परमानन्द वर्मा, रवींद्र केसरवानी, प्रेम नारायण केसरवानी, लक्ष्मीकांत केसरवानी, शिव वैश्य, लालू मित्तल, विजय केसरवानी, अनुराग, कुंवर केसरवानी, पार्षद साहिल अरोरा, चौक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष रणविजय सिंह आदि मौजूद रहे।

परमार्थ निकेतन में आयोजित इन्टरनेशनल योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स का समापन, वैश्विक योग जिज्ञासुओं का सहभाग

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन, आयोजित इन्टरनेशनल योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स के समापन के अवसर पर वैश्विक योग जिज्ञासुओं ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और डिवाइन शक्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी भगवती सरस्वती जी से भेंट कर धर्म, संस्कृति व अध्यात्म से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

परमार्थ निकेतन में आयोजित योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स, क्रिया योग, फाउंडेशन योग कोर्स, प्रतिवर्ष होने वाला अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव भारत सहित पूरी दुनिया के योग जिज्ञासुओं के लिए एक अवसर हैं, जहाँ उन्होंने योग के गहन सिद्धांतों, ध्यान व प्रणायाम की विभिन्न विधाओं के साथ सत्संग व पवित्र गंगा आरती से जुड़ना का सौभाग्य भी प्राप्त होता है।

योग सिर्फ एक शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और चेतना का पोषण है। इस कोर्स में शामिल प्रतिभागियों ने विशिष्ट योगाचार्यों के मार्गदर्शन में आसन, प्राणायाम, ध्यान और योग दर्शन के विविध आयामों का अभ्यास किया। प्रत्येक सत्र में शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के साथ मानसिक शांति और आत्मिक जागरूकता हेतु भी विशेष अभ्यास कराया गया। योगाचार्यों ने सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि योग का उद्देश्य जीवन में संतुलन, अनुशासन और पूर्णता लाना है। योग की गहन शिक्षाएँ, जैसे अष्टांग योग, प्राणायाम की विधायें, मंत्रों का शुद्ध उच्चारण और ध्यान सभी के लिए सहज कैसे बनायी जाये इस पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही योग जिज्ञासुओं को स्वामी जी व साध्वी जी के द्वारा दिये उद्बोधन, मार्गदर्शन व सत्संग के माध्यम से स्वयं से जुड़ने, तनाव मुक्त जीवन जीने, अपनी चेतना को जागृत करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इस अवस पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारत भूमि सदैव से अध्यात्म, संस्कृति और करुणा की जननी रही है। यहाँ की परम्पराएँ जीवन में समरसता, सेवा और संस्कार के रूप में जीवंत हैं। भारत की समृद्ध परम्परा हमें स्मरण कराती है कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' समस्त सृष्टि एक परिवार है यही भावना भारत को विश्व में अद्वितीय बनाती है। स्वामी जी ने कहा कि योग, ध्यान, आयुर्वेद और सनातन दर्शन हमारी संस्कृति के ऐसे स्तंभ हैं जो मानवता को शांति, संतुलन और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाते हैं। जब हम इन शिक्षाओं को अपनाते हैं तो हर प्रकार की सीमाएँ मिट जाती हैं और आपस में सेतु का निर्माण होता है। यही सेतु मानवता की एकता का प्रतीक है। उन्होंने योग जिज्ञासुओं से कहा कि आप सब अपने साथ एकता, समरसता व अद्भाव का संदेश लेकर जायें।

साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा कि योग हमें बाहरी हलचल से भीतर की स्थिरता की ओर ले जाता है। जब हम सांस के साथ जुड़ते हैं, तो ईश्वर से जुड़ते हैं। यह कोर्स केवल प्रमाणपत्र पाने का नहीं, बल्कि जीवन को परिवर्तित करने का अवसर है।

योग जिज्ञासुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि योगाचार्य आभा सरस्वती जी द्वारा योग और ध्यान की विधाओं के साथ जब मंत्र, ध्वनि और नाद का समन्वय किया जाता है, तो योग साधना का प्रभाव और गहराई कई गुना बढ़ जाती है। उनके द्वारा उच्चारण किये मंत्रों की स्पंदनात्मक ऊर्जा मन को एकाग्र करती है, ध्वनि आत्मा को शुद्ध करती है और नाद हमें भीतर की मौन चेतना से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह समन्वित योगाभ्यास केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन, हृदय और आत्मा को भी जाग्रत करता है। ऐसा अनुभव दुर्लभ है।

मशहूर अदाकारा अनिता हसनंदानी बनीं ज़ी टीवी के शो 'छोरियाँ चली गाँव' की विनर

प्रयागराज। दो महीने तक हंसी, जज़्बातों और ज़बर्दस्त जज़्बे से भरी भारत के गांव की सच्ची तस्वीर दिखाने के बाद, ज़ी टीवी के नए और अनोखे रियलिटी शो 'छोरियाँ चली गाँव' ने इस वीकेंड अपना शानदार ग्रैंड फिनाले देखा। ढोल-ताशों की गूंज और गांव की उत्साह भरी रंगत के बीच मशहूर अदाकारा अनिता हसनंदानी को विनर घोषित किया गया। अनिता ने ट्रॉफी उठाकर शो के पहले सीज़न को एक यादगार अंदाज़ में पूरा किया।

अपनी जीत पर अनिता हसनंदानी ने कहा, 'जब मैंने 'छोरियाँ चली गाँव' का हिस्सा बनने के लिए हामी भरी थी, तब मुझे पता था कि यह मुझे मेरी कम्फर्ट ज़ोन से बहुत बाहर ले जाएगा। लेकिन मैंने यह नहीं सोचा था कि यह सफर मुझे इतना बदल देगा। पहले दिन से ही मैंने खुद से कहा था कि मुझे यह जीत आरव और रोहित के लिए चाहिए। वो मेरे सबसे बड़े मोटिवेशन रहे। जब-जब मुझे मुश्किल हुई या घर की याद आई, मैंने उन्हीं को सोचकर खुद को और आगे बढ़ाया। आज जब मैं यह ट्रॉफी हाथ में ले रही हूं, तो यह सिर्फ मेरी नहीं, हमारी फैमिली की जीत है। यह सफर सच्चा, इमोशनल, बहुत-सी सीख देने वाला और यादगार रहा, जो हमेशा मेरी यादों में बसा रहेगा।'

आज फाफामऊ का विशाल दशहरा मेला

फाफामऊ। शरदपूर्णिमा सोमवार को गंगापार का ऐतिहासिक विशाल दशहरा मेला रात्रि 8 बजे से प्रराम्भ होकर पूरी रात तक चलेगा।मेले मे सभी सडको, चौराहे को भव्य रूप से सजाया गया है।और करीब दो दर्जन से अधिक श्रृंगार एवं कलात्मक. झांकी चौकीयो का प्रदर्शन पूरे मेले मे होगा।मेले का उद्घाटन महापौर गणेश केशरवानी करेंगे।तत्पश्चात रामलीला रंगमंच से रामदल उठकर पूरे मेले का भ्रमण कर फाफामऊ गांव स्थित रामलीला मैदान पहुंच कर राम, रावण युद्ध कर रावण वध का अकार्षक ढंग से किया जायेगा।पुनःसभी चौकीयां लौटकर बाजार आकर प्रतिस्पर्धा करेगी।सुबह 6बजे मेला समाप्त होगा।दूसरे दिन 7अक्टूबर को फाफामऊ चौराहे पर भव्य भरत मिलाप का कार्यक्रम सस्कृतिक कार्यक्रम पूरी रात होगा।इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष श्याम बाबू गुप्ता, महामंत्री.रोहित केशरवानी सहित सभी पदाधिकारीगण शामिल रहेंगे।

ओमैक्स संगम सिटी में 'विश्वास का संगम - गाला नाइट', आस्था गिल और सुगंधा मिश्रा ने बांधा समां

टाउनशिप को मिला कम्प्लीशन सर्टिफिकेट और नई यूनिट्स की घोषणा

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी स्थित ओमैक्स संगम सिटी में आयोजित 'विश्वास का संगम - गाला नाइट' ने संगीत और मनोरंजन का अद्भुत संगम पेश किया। 5000 से अधिक लोगों की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम ने टाउनशिप को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर कंपनी ने ओमैक्स संगम सिटी (फेज-1) को मिले कम्प्लीशन सर्टिफिकेट और नई यूनिट्स की उपलब्धता की घोषणा भी की।

शाम की शुरुआत गणेश वंदना नृत्य से हुई, जिसके बाद मशहूर कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। ऊर्जा डांस कंपनी और टीम श्रेय खन्ना की शानदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया, जबकि अभुजमद मल्लखंभ एकेडमी की प्रस्तुति ने रोमांचक माहौल बना दिया। शाम का मुख्य आकर्षण रही लोकप्रिय गायिका आस्था गिल की प्रस्तुति, जिनके गीतों पर उपस्थित लोग देर तक झूमते रहे। आयोजन का समापन ड्रोन शो ने किया, जिसने इस शाम को अविस्मरणीय बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान ओमैक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं बी-टुगेदर (ँऊद्गुपे) के फाउंडर मोहित गोयल; ओमैक्स के प्रेसिडेंट एवं बिज़नेस हेड सुनील कुमार सोलंकी; इंडस वैली एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल के चेयरमैन विशाल सिंह; सांसद (प्रयागराज-फूलपुर) श्री प्रवीण पटेल, विधायक (करछना, प्रयागराज) श्री पियूष रंजन निषाद, विधायक (फूलपुर, प्रयागराज) श्री दीपक पटेल, विधायक (उत्तर विधानसभा क्षेत्र, प्रयागराज) श्री हरशवर्धन बाजपेयी, महापौर (प्रयागराज) श्री गणेश केशरवानी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

232.5 एकड़ में फैली ओमैक्स संगम सिटी प्रयागराज की सबसे बड़ी आधुनिक टाउनशिप्स में से एक है। यहां 500 से अधिक परिवार पहले से रह रहे हैं और

लगभग 3000 से अधिक रेसिडेंशियल और कमर्शियल यूनिट्स का विकास किया जा चुका है। इस अवसर पर कंपनी ने तैयार रेजिडेंशियल प्लॉट्स और ओमैक्स आनंदा (न्यू टावर) की चुनिंदा यूनिट्स की उपलब्धता की घोषणा की। आनंदा न्यू टावर की कीमत ?76.70 लाख से शुरू होती है, जो एंड-यूजर्स और निवेशकों दोनों के लिए आकर्षक विकल्प है।

टाउनशिप में पहले से ही ओमैक्स शिवा ८ घ्ठ और आनंदा (न्यू टावर को छोड़कर) को शामिल किया गया है। वहीं, तीन मंज़िला ओमैक्स संगम प्लाज़ा शॉपिंग, फूड और बिज़नेस स्पेस उपलब्ध कराते हुए न केवल टाउनशिप बल्कि आसपास के क्षेत्रों की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

इस मौके पर ओमैक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित गोयल ने कहाः "विश्वास का संगम' जैसे आयोजन यह साबित करते हैं कि ओमैक्स का उद्देश्य केवल घर बनाना नहीं, बल्कि शहरों की पहचान और विकास की कहानी में भागीदार बनना है। संगम सिटी का कम्प्लीशन सर्टिफिकेट प्राप्त करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो यह दर्शाता है कि प्रयागराज के विकास में ओमैक्स एक भरोसेमंद नाम है।

आज तैयार फ्लैट्स और प्लॉट्स का पजेशन उपलब्ध होना न सिर्फ होमबायर्स के लिए अपना घर पाने का अवसर है, बल्कि निवेशकों के लिए भी शहर की तेज़ी से बढ़ती संभावनाओं में शामिल होने का सुनहरा मौका है। आने वाले समय में हम प्रयागराज की प्रगति में और भी मज़बूती से अपनी भागीदारी निभाते रहेंगे।'

ओमैक्स संगम सिटी को आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप तैयार किया गया है। यहां चौड़ी सड़कें, स्वच्छ वातावरण, हरे-भरे लैंडस्केप्स, क्लबहाउस, जॉगिंग ट्रेल्स, मल्टी-लेवल पार्किंग और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। शिक्षा और धार्मिक महत्व की जगहों की निकटता इसे और विशेष बनाती है - दिल्ली पब्लिक स्कूल पास ही स्थित है, जबकि त्रिवेणी संगम और सोमेश महादेव मंदिर मात्र 2 किमी दूर हैं।

आगामी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स जैसे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, बंधा रोड और झूंसी रिंग रोड इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और सशक्त बनाएंगे। प्रयागराज का उन्नत स्मार्ट सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर और राष्ट्रीय स्तर पर 12वीं स्वच्छता रैंकिंग इस टाउनशिप को न केवल रहने के लिए उपयुक्त बनाते हैं, बल्कि निवेश के लिहाज से भी इसे और अधिक आकर्षक बनाते हैं।

ओमैक्स संगम सिटी अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं, धार्मिक पर्यटन से उत्पन्न बढ़ती मांग और निवेश पर बेहतर रिटर्न की संभावनाओं के कारण आज प्रयागराज के सबसे भरोसेमंद प्रोजेक्ट्स में शुमार है। यह टाउनशिप न केवल घर खरीदने वालों के लिए सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली प्रदान करती है, बल्कि निवेशकों के लिए भी आकर्षक और लाभकारी विकल्प साबित हो रही है।

प्रयागराज का बढ़ता हुआ बाज़ार और यहाँ के उपभोक्ताओं की विविधता लिबर्टी के विस्तार के लिए एक आदर्श केंद्र है।' रुचिर बंसल

प्रयागराज। भारत के अग्रणी फुटवियर ब्रांड लिबर्टी शूज़ लिमिटेड ने आज प्रयागराज में अपने आगामी त्योहारी कलेक्शन का भव्य शुभारंभ किया। यह आयोजन KGF Banquet and Villa 5, KP ग्राउंड कैंपस, जॉर्ज टाउन में एक शानदार डीलर्स मीट के रूप में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में डीलर्स व व्यापारिक साझेदार शामिल हुए।

इस अवसर पर कंपनी के निदेशक श्री रुचिर बंसल ने कहा -'प्रयागराज का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व देशभर में जाना जाता है। यहाँ संगम की तरह परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत मेल देखने को मिलता है। लिबर्टी भी इसी सोच को आगे बढ़ाता है। प्रयागराज का बढ़ता हुआ बाज़ार और यहाँ के उपभोक्ताओं की विविधता लिबर्टी के विस्तार के लिए एक आदर्श केंद्र है।' आगे बताया कि कंपनी ने अप्रैल 2025 में दो नई तकनीक वाइब्रेशन शूज़ और वार्मर शूज़-लॉन्च की थीं, जिन्हें उपभोक्ताओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

श्री बंसल ने बताया कि वर्तमान में कंपनी के 4 अत्याधुनिक उत्पादन केंद्र हैं एक हिमाचल प्रदेश, एक उत्तराखंड और दो करनाल (हरियाणा) में। इन इकाइयों में आधुनिक मशीनरी से उच्च गुणवत्ता के जूते तैयार किए जाते हैं। आज लिबर्टी न केवल भारत में, बल्कि 25 से अधिक देशों को अपने उत्पादों का निर्यात भी कर रहा है, जो गर्व की बात है।

लिबर्टी की शुरुआत वर्ष 1954 में करनाल (हरियाणा) से पाल बूट हाउसके रूप में हुई थी। उस समय प्रतिदिन केवल 4 जोड़ी जूते बनाए जाते थे। आज लिबर्टी एक विशाल संगठन बन चुका है, जिसकी उत्पादन क्षमता प्रतिदिन 50, 000 से अधिक जूते बनाने की है।

अमेरिकी बाज़ार की चर्चा करते हुए श्री बंसल ने कहा 'दुनिया बहुत बड़ी है। अगर एक रास्ता बंद होता है तो हम नए रास्ते तलाश कर लेते हैं। न भारत और न ही यहाँ का व्यापारी किसी एक चुनौती से डरने वाला है।'

श्री कृष्ण कुमार (लवली) ने जानकारी दी कि आज के इस कार्यक्रम में कंपनी ने अपना स्प्रिंग-समर 2026 (एए'26) कलेक्शन लॉन्च किया, जिसमें 400 से अधिक नए डिज़ाइन और एक्सेसरीज़ शामिल हैं।

उन्होंने यह भी साझा किया कि अब लिबर्टी केवल फुटवियर तक सीमित नहीं है। हाल ही में लॉन्च किए गए लिबर्टी लाइफस्टाइल परफ्यूम और LFO (Liberty Fashion & Accessories) जैसे सेगमेंट - पर्स, वॉलेट, बेल्ट, सॉक्स, शू पॉलिश, ट्रैवलिंग बैग और स्कूल बैग उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। Deep Trading Company के निदेशक Sandeep Yadav ने कहा- भारत सरकार द्वारा उएऊ कम किए जाने का लाभ लिबर्टी अपने ग्राहकों तक सीधा पहुँचा रही है, जिससे उत्पादों के दाम काफ़ी कम हो गए हैं और उपभोक्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

'लिबर्टी पिछले 70 वर्षों से भारत का विश्वसनीय स्वदेशी फुटवियर ब्रांड है, जो पूरी तरह भारत में ही निर्माण करता है। इसकी रेंज ?399 से लेकर ?9, 999 तक उपलब्ध है और यह हर वर्ग के उपभोक्ता की जरूरतें पूरी करता है।' उन्होंने बताया कि हीलर्स, लीप7एक्स, लूसी एंड ल्यूक और आहा जैसे ब्रांड लिबर्टी की कुल बिक्री में 70इ से अधिक योगदान करते हैं। श्री रोविन सिंह (रीजनल सेल्स मैनेजर, लिबर्टी) ने जानकारी दी कि वर्तमान में कंपनी का देशभर में 10, 000 से अधिक डीलर्स और लगभग 500 एक्सक्लूसिव शोरूम का मजबूत नेटवर्क है।

भिवंडी की हवा में जहरः डाइंग-साइजिंग कंपनियों से निकल रहा काला धुआं बना मौत का धुआं

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के औद्योगिक क्षेत्रों में चल रही डाइंग और साइजिंग कंपनियां अब स्थानीय लोगों के लिए खतरा बन चुकी है। इन कंपनियों से निकलने वाला काला धुआं न केवल वातावरण को जहरीला बना रहा है, बल्कि शहर के नागरिकों के फेफड़ों में भी जहर घोल रहा है। सूत्रों के अनुसार, इन कंपनियों में बड़े-बड़े बॉयलरों को चलाने के लिए कोयले की जगह लकड़ी,रबर,पुट्ठा,प्लास्टिक, थर्माकोल और यहां तक कि इमारत निर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्लाई-बोर्ड तक जलाई जा रही है। इससे निकलने वाला धुआं इतना घना होता है कि आसपास के इलाकों में दिन के उजाले में भी धुंध छाई रहती है। इमारतों के छतों पर राख की ढेर लग जाती है। स्थानीय डॉक्टरों के मुताबिक, इस जहरीली हवा के कारण इलाके में श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े है। बच्चों और बुजुर्गों में खांसी, सांस फूलना, गले में खराश और आंखों में जलन जैसी समस्याएं आम होती जा रही है। भिवंडी महानगरपालिका के पर्यावरण विभाग के पास इन फैक्ट्रियों पर सीधे कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। वह केवल शिकायतों को महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी) के कल्याण कार्यालय को भेजता है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, एमपीसीबी का भिवंडी-वाडा क्षेत्राधिकारी रोजाना भिवंडी का औपचारिक निरीक्षण करते है, लेकिन इसके बावजूद अब तक किसी प्रदूषणकारी फैक्ट्री पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। नागरिकों का कहना है कि वे इस जहरीले धुएं से परेशान हो चुके हैं। कई बार विरोध और शिकायतों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि प्लास्टिक और रबर जलाने से निकलने वाली गैसें डाइऑक्सिन और फ्यूरन जैसे जहरीले रसायन उत्पन्न करती हैं, जो कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बन सकते है। अगर हालात पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया, तो भिवंडी की हवा में सांस लेना आने वाले दिनों में और भी मुश्किल हो जाएगा।

भिवंडी में पुराने विवाद को लेकर तीन भाइयों ने मिलकर की दोस्त की हत्या

दो महिला सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर के शांतिनगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही जगह काम करने और रहने वाले तीन भाइयों ने पुराने विवाद के चलते अपने ही दोस्त की हत्या कर दी।इस मामले में पुलिस दो महिला सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के शांतिनगर इलाके में रहने वाले तीन भाई हसन महबूब शेख (22), मकबूल महबूब शेख (30) और हुसैन महबूब शेख (28), एक गोदाम में कुली का काम करने जा रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर जिशान अंसारी नामक युवक के बीच तीखी बहस हुई। इसी गुस्से को ध्यान में रखते हुए हसन महबूब शेख, सुल्ताना महबूब शेख, मकबूल महबूब शेख, हुसैन महबूब शेख और अस्मा वाजिद, ज़िशान के घर गए और उसके परिवार के सदस्यों पर लात-घूँसों से हमला कर उसे पीटा गया। जब जीशान दोपहिया वाहन से घर आया और दोपहिया वाहन से उतर रहा था, हसन ने उसे लात मारकर गिरा दिया। लात लगने के कारण गिरने से जीशान की मौत हो गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया था। घटना की जानकारी मिलते ही शांतिनगर पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया और उसको को सरकारी उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया बाद में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार की शिकायत के आधार पर हसन महबूब शेख, मकबूल महबूब शेख, हुसैन महबूब शेख, सुल्ताना महबूब शेख और असमा वाजिद नाम के पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

भिवंडी में सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की ठोकर से दस वर्षीय बालिका की मौत

भिवंडी।मुंबई नासिक हाइवे पर येवई गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से दस वर्षीय बच्ची की उस समय दर्दनाक मौत हो गई ,जब वह सड़क पार कर रही थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भिवंडी तालुका के येवई गाँव के पास नासिक हाईवे पर नासिक से मुंबई जा रही एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से कचरा बीनने वाली दस साल की बच्ची की मौत हो गई। मृतक बच्ची का नाम रूपा लालन राम है। रूपा का परिवार येवई के पास बापदेव पाड़ा में रहता था। रूपा पंद्रह दिन पहले बिहार से अपने परिवार के साथ रहने आई थी। जब वह सड़क पार कर रही थी, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भिवंडी तालुका पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को सरकारी उप-ज़िला अस्पताल पहुँचा दिया है और दुर्घटना के लिए ज़िम्मेदार वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

गिरनार पर्वत पर गोरखनाथ मंदिर में तोड़-फोड़, मूर्ति खंडित; भक्तों में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग

जूनागढ़। गुजरात से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां जूनागढ़ जिले में गिरनार पर्वत पर स्थित भगवान गोरखनाथ के मंदिर और मूर्ति को अज्ञात लोगों ने तोड़-फोड़ कर नुकसान पहुंचाया है। गिरनार की पहाड़ी में शनिवार की रात हुई इस घटना का पता चलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और वे सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी दी। गोरखनाथ नाथ संप्रदाय के प्रतिष्ठित योगी और संस्थापक माने जाते हैं। पुलिस के अनुसार, उपद्रवियों ने नाथ संप्रदाय के संस्थापक की संगमरमर की मूर्ति का सिर तोड़ दिया और मंदिर के कांच के दरवाजे व अन्य वस्तुओं को नुकसान पहुंचाया है। जूनागढ़ के एसपी सुबोध ओदेदरा ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद अपराध शाखा, विशेष अभियान समूह और भवनाथ पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि गिरनार पर्वत जिसे रेवटक पर्वत भी कहा जाता है। इसके ऊपर जैन और हिंदू मंदिर हैं। तीर्थयात्रियों को यहां चढ़ने के लिए लगभग 10,000 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। जैन मंदिर पर्वत के करीब दो-तिहाई हिस्से पर हैं, जिनमें 12वीं सदी का नवे तिर्थंकर नेमिनाथ का मंदिर प्रमुख है। ऊपर की ओर देवी अम्बा माता सहित कई हिंदू मंदिर हैं।

मौसम का यू-टर्न, प्रदेश में ओले गिरने की चेतावनी; इन जिलों के लिए जारी हुआ भारी बारिश का अलर्ट

लखनऊ।उत्तर प्रदेश में मानसून के विदा होने से पहले पूरब और पश्चिम दोनों संभागों में जोरदार बारिश देखने को मिली है। अब पश्चिमी विक्षोभ के असर से सोमवार को पश्चिमी यूपी में ओले भी गिरने वाले हैं। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए पश्चिमी तराई के सहारनपुर, शामली, बिजनौर समेत 15 जिलों में गरज चमक के साथ ओले गिरने की आशंका जताई है। वहीं पश्चिम के 13 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की भी चेतावनी है। लगभग 38 जिलों में मेघ गर्जन के साथ वज्रापात की भी आशंका है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से सोमवार को पश्चिमी यूपी के कई जिलों में भारी बारिश और गरज चमक के साथ ओले गिरने की चेतावनी है। बुधवार से पूर्वी और पश्चिमी यूपी में मौसम के शुष्क रहने के संकेत हैं। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में।

विदेश मंत्री बोले- हथियारों की प्रकृति और युद्ध का तरीका बदला, दुनिया में बढ़ रही प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में चौथे कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, आज हथियारों की प्रकृति और युद्ध का तरीका बुनियादी रूप से बदल गया है। हमने यह बदलाव अजरबैजान-आर्मेनिया, यूक्रेन-रूस और इस्राइल-ईरान जैसे कई संघर्षों में देखा है। अब युद्ध 'संपर्क रहित' (कॉन्टैक्टलैस) हो गए हैं। यानी हथियारों को दूर से चलाया जा सकता है, जिनका असर बहुत गहरा और कई बार निर्णायक हो सकता है। जयशंकर ने कहा, आज के अशांत समय में ये हथियार पहचान बन चुके हैं। इस समय एक और खास भावना है कि दुनिया के कई हिस्सों में वैश्वीकरण का विरोध बढ़ता जा रहा है।

जयशंकर ने कहा, आज एक ही समय में कई घटनाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था पर एक साथ असर डाल रही हैं। इससे एक विरोधाभासी स्थिति पैदा हो गई है। एक तरफ तो ये परिस्थितियां लोगों को अधिक जोखिम उठाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। वहीं दूसरी तरफ, चाहे वह राजनीति हो या अर्थव्यवस्था इन्हीं जोखिमों के चलते हर क्षेत्र को सुरक्षित बनाने की गंभीर कोशिश भी चल रही है। यह स्थिति कुछ ऐसी है जैसे हर गुजरते दिन के साथ आप ट्रेपेज की ऊंचाई बढ़ा रहे हो और सुरक्षा जाल हटा रहे हो। यही आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति की स्थिति है।

उन्होंने आगे कहा, आज हम देख रहे हैं कि कुछ बड़ी शक्तियां अब संतुलन की सोच पर पहले जितना भरोसा नहीं करतीं। उन्हें लगता है कि अब उन्हें बाकी दुनिया की उतनी जरूरत नहीं है जितनी पहले थी। इसलिए अगर उनके पास ताकत है, तो वे अपनी नीतियों को लागू करने के लिए उसका खुलकर इस्तेमाल करने को तैयार हैं। दुनिया में अब प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, क्योंकि हर चीज को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। जिन देशों के पास कोई भी साधन है, वे उसे इस्तेमाल करने से अब हिचकिचाते नहीं हैं- खासकर बड़ी ताकतें।

जयशंकर ने कहा, यह साफ तौर पर दिख रहा है कि अमेरिका और चीन के संबंध आने वाले समय में वैश्विक राजनीति की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करेंगे। अमेरिका अब अधिक मुखर है। वह अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर दूसरे देशों के साथ काम करने और साझेदारी करने की कोशिश करता है। वहीं, चीन भी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। उसने जिन नए विचारों, तंत्रों और संस्थाओं को आगे बढ़ाया है, वे अभी पूरी तरह स्थापित नहीं हुए हैं। लेकिन स्पष्ट रूप से हम देख सकते हैं कि अमेरिका-चीन संबंध कई तरीकों से वैश्विक राजनीति की दिशा को प्रभावित करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा, पहले अमेरिका-रूस-चीन के बीच संतुलन था। जैसे अमेरिका सुरक्षा का जिम्मा लेता था, रूस ऊर्जा देता था और चीन व्यापार करता था- वह स्थिति अब बदल गई है और आज ये सभी पहलू बड़ी चुनौती बन गए हैं। जयशंकर ने कहा, भारत की नीति है कि वह जितना संभव हो, उतने उत्पादक संबंध बनाए। लेकिन यह भी सुनिश्चित करना है कि इनमें से कोई भी संबंध ऐसा न हो जो दूसरे संबंधों के अवसरों को रोक दे। तो हम असल में इस मल्टी-अलाइनमेंट यानी कई संबंधों को अलग-अलग एजेंडों और अलग-अलग साझेदारों के साथ, कभी-कभी अलग-अलग क्षेत्रों में कैसे निभाते हैं? यही हमारी असली बाहरी चुनौती है। मेरी नजर में, हमने पिछले दशक में एक मजबूत आधार रखा है। मुझे लगता है कि आने वाले पांच साल, जो अंतरराष्ट्रीय माहौल को देखते हुए होंगे, वे हमें और हर दूसरे देश को परखेंगे। लेकिन मैं इसे एक ऐसा परीक्षण मानता हूं जिसका हम आत्मविश्वास, दृढ़ता और उम्मीद के साथ सामना करेंगे और मुझे भरोसा है कि हमारा यह तरीका हमें जरूरी परिणाम देगा।

सुरक्षा बलों की पीएलए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 15 गिरफ्तार; असम राइफल्स के काफिले पर हमले में थे शामिल

इंफाल। मणिपुर घाटी स्थित प्रतिबंधित समूह पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के खिलाफ सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पिछले महीने असम राइफल्स के काफिले पर हुए हमले में शामिल 15 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। काफिले पर हमले में दो जवानों का बलिदान हुआ था।

मुख्य आरोपी ठौंगराम सदानंद सिंह उर्फ पुरकपा (18 वर्षीय) और खोंद्राम ओजित सिंह उर्फ केइलाल (47 वर्षीय) को नंबोल घटना के 72 घंटों के भीतर पकड़ा गया। सुरक्षा एजेंसियां यह भी जांच कर रही हैं कि क्या पीएलए किसी राजनीतिक संरक्षण के तहत काम कर रहा है। यह जांच ऐसे समय में हो रही है जब एक और प्रमुख उग्रवादी समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) ने हाल ही में युद्धविराम की घोषणा की है और 24 कुकी उग्रवादी समूहों द्वारा केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ पहले से हस्ताक्षर किए गए ऑपरेशन निलंबन समझौते में शामिल होने के लिए सहमति जताई है।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि कुछ समूह राष्ट्रपति शासन को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जो राज्य में गंभीर जातीय हिंसा को रोकने में मददगार साबित हुआ है। ये समूह यह प्रचार कर रहे हैं कि वर्तमान प्रशासन असफल है और निलंबित विधानसभा को तुरंत बहाल किया जाना चाहिए।

असम राइफल्स के काफिले पर 19 सितंबर को नंबोल साबल लैकेई में हमला हुआ था, जहां सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (आफ्सपा) लागू नहीं है और आमतौर पर सीआरपीएफ सड़क सुरक्षा करती है। इस हमले में नायब सूबेदार श्याम गुरूंग और राइफलमैन रंजीत सिंह कश्यप की मौत हुई। यह मणिपुर में केंद्रीय सुरक्षा बलों पर पहला हमला था, जब से मई 2023 में कुकी-जो और मेतेई समुदायों के बीच हिंसा शुरू हुई थी।

जांच के दौरान पता चला कि बरामद हथियारों में से छह हथियार पहले की जातीय झड़पों में पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए थे, जिससे पता चलता है कि ये हथियार अब उग्रवादी समूहों के हाथ लग रहे हैं। नंबोल हमले में इस्तेमाल हुई एक वैन भी मूतुम यांगबी से बरामद हुई, जो हमले के स्थल से लगभग 12 किलोमीटर दूर है। यूएनएलएफ के सदस्य ठौंगराम सदानंद सिंह हाल ही में अपने समूह के हथियार डालने के बाद पीएलए में शामिल हुए थे। हालांकि, पीएलए ने नंबोल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। लेकिन अतीत में यह उग्रवादी समूह हमेशा अपने सभी हमलों की जिम्मेदारी लेता रहा है।

खुफिया एजेंसियों को ऐसा संदेह है कि यह हमला राजनीतिक कारणों से हो सकता है, जिसका मकसद राज्य की नाजुक स्थिति को खराब करना, राष्ट्रपति शासन को बदनाम करना या लोकप्रिय सरकार के पुनर्गठन को रोकना हो। हमले के बाद राज्यपाल अजय भल्ला की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें सभी सुरक्षा एजेंसियों को हमलावरों को जल्द पकड़ने और मुख्य मार्गों की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

बिजली निजीकरण के विरोध में कर्मचारी हुए लामबंद, देशव्यापी आंदोलन की तैयारी; मुंबई में होगी बैठक

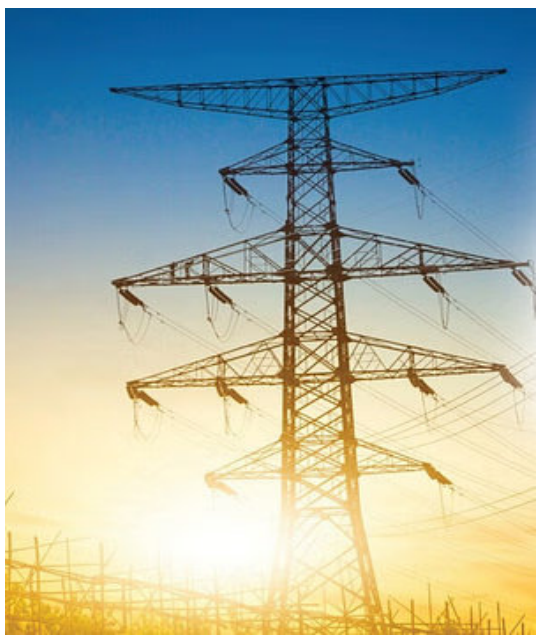

लखनऊ। प्रदेश में बिजली के निजीकरण का मुद्दा गर्माता जा रहा है। मुंबई में होने वाली डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी मीट (डीयूएम) का अभियंता विरोध करेंगे। निजीकरण का फैसला किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके विरोध में अब देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। यह फैसला रविवार को नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स (एनसीसीओईईई) की बैठक में लिया गया।

बैठक में देशभर से ऑनलाइन जुड़े अभियंता संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि 4 एवं 5 नवंबर को मुंबई में डीयूएम हो रही है। इसका मूल उद्देश्य निजीकरण है। इसमें केंद्र और प्रदेश सरकारों की बिजली के निजीकरण की नीति पर चर्चा होगी। ऐसे में उत्तर प्रदेश, पुडुचेरी में चल रही निजीकरण की प्रक्रिया तथा महाराष्ट्र में निजी घरानों को समानांतर लाइसेंस देने एवं चंडीगढ़ के निजीकरण का विरोध किया जाएगा। इसके लिए देशव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा। तय किया गया कि मुंबई में जहां पर यह मीट हो रही है, वहां हजारों बिजली कर्मी पहुंचेंगे और आयोजन स्थल पर ही जोरदार प्रदर्शन करेंगे।

इस दौरान केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर को ज्ञापन देते हुए मांग करेंगे कि निजीकरण रद्द किया जाए। बैठक को ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे, पी रत्नाकर राव, आरके त्रिवेदी, मोहन शर्मा, कृष्णा भौयूर, सुदीप दत्त, सुभाष लांबा, समर सिन्हा आदि ने संबोधित किया।

नीरज बिंद बने अध्यक्ष, शिवम चौधरी सचिव

निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के बीच रविवार को राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन पूर्वांचल इकाई का नए सिरे से गठन किया गया। इसमें नीरज बिंद को अध्यक्ष और शिवम चौधरी को सचिव चुना गया। इसके अलावा राम सिंह उपाध्यक्ष, शिवब्रत यादव संगठन सचिव,ज्योति भास्कर सिन्हा प्रचार सचिव, अविनाश कुमार वित्त सचिव एवं अरुण कुमार पांडे लेखा निरीक्षक चुने गए।

प्रोफेसर की पत्नी ने छत से कूदकर दी जान, पति गिरफ्तार, दहेज को लेकर दोनों परिवारों में हुआ था विवाद

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम के अभिषेकपुरम इलाके में शनिवार देर रात विधि दुबे (28) मारपीट व दहेज प्रताड़ना से तंग आकर घर की दूसरी मंजिल से कूद गईं। गंभीर हालत में ससुराल वाले उन्हें ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के भाई ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति, ससुर, सास और ननद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पति को गिरफ्तार कर लिया है।

सीतापुर रोड के छठामील निवासी विनय मिश्रा ने बताया कि उन्होंने बहन विधि दुबे (28) का विवाह 27 जनवरी 2024 को हरिओमनगर, कृष्णानगर के शिवम दुबे के साथ किया था। शिवम बीबीडी यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। विधि की आठ माह की बच्ची शानवी है। ससुराल वालों से विवाद के बाद विधि पति के साथ अभिषेकपुरम में बिजेन्द्र सिंह के मकान में किराये पर रह रही थीं। विनय के मुताबिक चार अक्तूबर की शाम उनके माता-पिता और चाचा अभिषेकपुरम गए थे। वहां विधि के सास-ससुर और ननद भी थी। बातचीत के दौरान सभी ने अधिक दहेज की मांग करते हुए विधि और उनके परिजनों से अभद्रता की। दुखी होकर मायके वाले विधि को समझा-बुझाकर लौट आए। रात करीब 10 बजे विधि ने फोन कर बताया कि ससुराल वाले उसे बहुत परेशान कर रहे हैं। बातचीत के दौरान फोन कट गया। करीब एक घंटे बाद शिवम ने फोन कर बताया कि विधि छत से गिर गई है। सूचना पर परिजन ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने विधि को मृत घोषित कर दिया।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए लगाए जाएंगे 3510 सुरक्षा स्वयंसेवक, तहसीलवार होगी नियुक्ति

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं को पचास प्रतिशत तक कम करने के उद्देश्य से प्रत्येक तहसील में दस सड़क सुरक्षा स्वयंसेवकों को तैनात किया जाएगा। कुल 3510 स्वयंसेवक यह जिम्मेदारी संभालेंगे। इन्हें मानदेय दिया जाएगा।

परिवहन विभाग की ओर से इस बाबत शासन को प्रस्ताव भेजा गया है, जिसकी मंजूरी इस हफ्ते मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसा होने पर सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने में खासी मदद मिलेगी। दरअसल, सड़क सुरक्षा में 50इ कमी का लक्ष्य रखा गया है, जिसे हासिल करने के लिए परिवहन विभाग की ओर से ''5ई'' प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें इंफोर्समेंट(प्रवर्तन), इंजीनियरिंग, एजुकेशन, इमजरेंसी केयर व इवेल्यूएशन पर केंद्रित रोड सेफ्टी कार्यक्रम तैयार किया गया है। इस प्रस्ताव को पूर्व परिवहन आयुक्त बीएन सिंह ने तैयार किया था।

उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं व मौतों में कमी लाने के लिए यह प्लान तैयार किया। इसके तहत प्रत्येक तहसील में 10 प्रशिक्षित स्वयंसेवक, कुल 3510 रोड सेफ्टी स्वयंसेवक तैनात किए जाएंगे। यह स्वयंसेवक स्कूल जोन मार्शलिंग, पैदलपथ, क्रॉसिंग सहायता, हेल्मेट-सीटबेल्ट काउंसलिंग, भीड़-प्रबंधन, वर्क-ज़ोन सुरक्षा-सहयोग, गुड-समैरिटन के बाबत जागरुकता फैलाएंगे। इसके अतिरिक्त जो प्रस्ताव भेजा गया है, उसमें एआरटीओ प्रवर्तन, पुलिस, शिक्षा, स्थानीय निकायों के बीच समन्वय बनाने, प्राथमिक उपचार, भीड़-प्रबंधन, ट्रैफिक-शिष्टाचार आदि को लेकर प्रशिक्षण देने का काम भी शामिल है। इसके अतिरिक्त स्वयंसेवकों को तीन हजार रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा।

गांवों-कस्बों तक नो हेलमेट, नो फ्यूल 5ई के तहत इंफोर्समेंट में नो हेलमेट, नो फ्यूल का विस्तार गांवों व कस्बों तक किया जाएगा। इसके अलावा इंजीनियरिंग के तहत ब्लैक व रेड स्पॉट पर कार्रवाई होगी। एजुकेशन में विद्यालयों, महाविद्यालयों गतिविधि-कैलेंडर, रोड सेफ्टी एंथम को लेकर जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इमरजेंसी केयर में 108 के साथ निजी एम्बुलेंस, ट्रॉमा-तत्परता तथा इवेल्यूएशन में ई दिशा, आईरैड, वाहन, सारथी, ई चालान आदि की समीक्षा होगी।

महिला विश्व कप 2025 मैच रैफरी से हुई बड़ी गलती, हारा हुआ टॉस जीता पाकिस्तान

कोलंबो। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को यहां महिला विश्व कप मुकाबले के टॉस के दौरान मैच रेफरी शांड्रे फ्रिट्ज से बड़ी गलती हो गई। इस गलती की वजह से उन्होंने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना को टॉस विजेता घोषित कर दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला और सना ने 'टेल्स' कहा लेकिन फ्रिट्ज ने सुनने में गलती की और इसे 'हेड्स' समझ लिया। फिर प्रस्तोता मेल जोन्स ने भी उन्हें टॉस विजेता घोषित किया। सिक्का 'हेड्स अप' गिरा लेकिन टॉस का विजेता पाकिस्तान को माना गया जिससे उन्होंने बादलों से भरे आसमान में पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना। हरमनप्रीत ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और पाकिस्तानी कप्तान के बाद जोन्स से बात करने के लिए उनके पास गईं। उन्होंने सना से हाथ नहीं मिलाया।

महिला विश्व कप : जीत का खाता खोलने के इरादे से उतरेंगे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका

इंदौर। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सोमवार को जब महिला विश्व कप के मैच में आमने-सामने होंगी तो अपने शुरुआती मुकाबलों में मिली करारी हार की निराशा को भुलाकर जीत का खाता खोलने का प्रयास करेंगी। न्यूजीलैंड को जहां अपनी गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होती तो वहीं दक्षिण अफ्रीका की नजरें अपनी बल्लेबाजों की फॉर्म पर होगी।

न्यूजीलैंड को पहले मैच में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 89 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड ने 10 विकेट से रौंद दिया। दोनों ही मुकाबलों में हारने वाली टीम की बल्लेबाजों ने निराश किया। न्यूजीलैंड की गेंदबाजों ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 22वें ओवर में पांच विकेट पर 128 रन करने के बावजूद उसे 326 रन बनाने दिए।

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की और कप्तान सोफी डिवाइन की 112 रन की पारी के बावजूद न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच पाई। न्यूजीलैंड ने आखिरी पांच विकेट केवल 19 रन पर गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के मामले में यह एकतरफा मुकाबला रहा क्योंकि उनकी टीम 69 रन पर आउट हो गई और उसकी केवल एक खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंच पाई। दक्षिण अफ्रीका को प्रतिस्पर्धी बनने के लिए लॉरा वोलवार्ट, ताजमिन ब्रिट्स, सुने लुस और मारिजैन कैप के बल्ले से बेहतर योगदान की उम्मीद होगी।

विश्व कप से पहले अपने आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान से हार गई थी और सिर्फ 115 रन ही बना पाई थी जो बल्ले से उनकी लगातार नाकामी को दर्शाता है। हालांकि कागजों पर न्यूजीलैंड प्रबल दावेदार है क्योंकि उनके पास गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में बेहतर क्षमता है, विशेषकर स्पिन गेंदबाजी में जहां अमेलिया केर के 10 ओवर निर्णायक साबित होंगे।

एक और पहलू यहां की परिस्थितियां हैं जिन्हें न्यूजीलैंड बेहतर समझता है क्योंकि वे इस मैदान पर अपना लगातार दूसरा मैच खेल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका गुवाहाटी से आएगा और उसकी बल्लेबाज एक अच्छी पिच पर बल्लेबाजी करना चाहेंगी जहां गेंद आसानी से बल्ले पर आती हो।

टीमें : न्यूजीलैंड : सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लिमर, लिया ताहुहु।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोलवार्ट (कप्तान), ताजमिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसेन, मारिजेन कैप, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायोजन, नादिन डि क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शंगासे और काराबो मेसो।

पेरीकार्ड ने शंघाई मास्टर्स में फ्रिट्ज को हराकर किया उलटफेर

शंघाई। फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरीकार्ड ने चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 7-5 से हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। लंबे कद के पेरीकार्ड ने अमेरिका के खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 25 मिनट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरीकार्ड के सामने अंतिम 16 दौर में 10वें वरीय होल्गर रूने की चुनौती होगी। अन्य मैचों में रूने ने 21वें वरीय यूगो हम्बर्ट को 6-4, 6-4 से हराया जबकि जिजोयू बर्ग्स ने 19वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 7-6, 6-3 से मात दी। डेविड गोफिन के पहले सेट के दौरान जल्दी रिटायर होने के कारण 31वें वरीय गेब्रियल डियालो को वॉकओवर मिल गया।

मजबूत आवास मांग के कारण सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग दूसरी तिमाही में 61 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग 61 प्रतिशत बढ़कर 1, 902.6 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी की बिक्री 1, 178.5 करोड़ रुपए थी।

शेयर बाजार को दी जानकारी में सोभा लिमिटेड ने बताया कि कंपनी ने इस वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान 13, 648 रुपए प्रति वर्ग फुट की औसत कीमत पर 13.94 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा। बेंगलुरु ने तिमाही बिक्री में 69.7 प्रतिशत का योगदान दिया, जिसका मूल्य 1, 326.4 करोड़ रुपए था। यह बढ़ोतरी सोभा टाउन पार्क परियोजना में बिक्री की तेजी के कारण हुई। दिल्ली-एनसीआर ने तिमाही बिक्री में 309.7 करोड़ रुपए का योगदान दिया, जबकि केरल क्षेत्र की बिक्री 184.8 करोड़ रुपए रही।

विदर्भ ने तीसरी बार जीती ईरानी ट्रॉफी फाइनल में शेष भारत को बड़े अंतर से हराया

नागपुर। हर्ष दुबे (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने रविवार को शेष भारत को 93 रनों से हराकर तीसरी बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता। शेष भारत ने कल के दो विकेट पर 30 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में शेष भारत ने अपना तीसरा विकेट कप्तान रजत पाटीदार (10) का विकेट 28 रन जोड़कर गंवा दिया। उन्हें आदित्य ठाकरे ने अपनी ही गेंद पर आउट किया। इसके बाद दर्शन नालकंडे ने ऋतुराज गायकवाड़ (सात) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

यश ढुल ने इशान किशन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में हर्ष दुबे ने इशान किशन (35) को आउटकर शेष भारत की मैच जीतने की उम्मीद को झटका दिया। सारांश जैन और यश ढुल के बीच छठे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। पार्थ रेखड़े ने सारांश जैन (29) को पगबाधा आउटकर विदर्भ को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद यश ठाकुर ने यश ढुल को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। यश ढुल ने शेष भारत के लिए सबसे अधिक 92 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 117 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाया। अंशुल कम्बोज (तीन) और आकाश दीप (शून्य) पर आउट हुये। 74वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हर्ष दुबे ने गुरनूर बरार (सात) को आउटकर 267 के स्कोर पर शेष भारत की दूसरी पारी का अंत करते हुए 93 रनों से मुकाबला जीत लिया। विदर्भ के लिए हर्ष दुबे ने चार विकेट लिये। आदित्य ठाकरे और यश ठाकुर को दो-दो विकेट मिले। पार्थ रेखड़े और दर्शन नलकंडे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले विदर्भ ने पहली पारी में 342 रन तथा दूसरी पारी में 232 रन का स्कोर किया। शेष भारत ने पहली पारी में 214 रन बनाये थे और उसे दूसरी में जीत के लिए 361 रनों का लक्ष्य मिला था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विदर्भ ने वर्ष 2017-18 और 2018-19 में दो बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता है। अभी तक खेले 63 फाइनल मैचों में शेष भारत 31वीं बार उपविजेता रहा है।

महिला विश्व कप 2025 : सूर्यकुमार बोले - 'भारत की महिला टीम पाकिस्तान को 12वीं बार भी हराएगी'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय पुरुष टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि हरमनप्रीत कौर की टीम पाकिस्तान के खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड 12-0 तक बढ़ाने में सफल होगी। कोलंबो में रविवार को होने वाले महिला वनडे विश्व कप 2025 के ग्रुप-स्टेज मुकाबले से पहले सूर्यकुमार ने टीम इंडिया के प्रदर्शन पर पूरा भरोसा जताया।

उन्होंने कहा, 'पिछले 1-2 सालों में हमारी महिला टीम ने एक अलग स्तर का क्रिकेट खेला है। अगर वे अपने खेल पर ध्यान बनाए रखें, तो मुझे यकीन है कि 'मिशन 12-0' पूरा होगा।' सूर्यकुमार ने बताया कि हाल ही में उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर से बातचीत की थी। उन्होंने कहा, 'कप्तान से बात हुई थी, उन्होंने बताया कि टीम का माहौल शानदार है और कैंप में सब एकदम तैयार हैं। जब माहौल अच्छा होता है, तो जीत अपने आप आ जाती है।'

भारत-पाकिस्तान की 'प्रतिद्वंद्विता' पर उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, '11-0 किसी भी तरह की प्रतिद्वंद्विता नहीं होती। असली प्रतिद्वंद्विता तब होती है जब मुकाबला बराबरी का हो।' दीप्ति शर्मा को उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 'गेम चेंजर' बताया, 'ऑलराउंडर हमेशा मैच का पासा पलट सकता है। बल्ले या गेंद से, दीप्ति इस मैच में अहम भूमिका निभा सकती हैं।' सूर्यकुमार ने स्मृति मंधाना की भी तारीफ की और कहा, 'वह भारत की सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी हैं। अगर उनका फॉर्म जारी रहा, तो यह टीम के लिए शानदार बात होगी।

जेरोधा से ट्रेडिंग करने वालों को लग सकता है बड़ा झटका, चार्ज लगाने की तैयारी में कंपनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ब्रोकरेज फर्म जेरोधा के जरिए ट्रेडिंग करने वालों को बड़ा झटका लग सकता है। जेरोधा के संस्थापक और सीईओ नितिन कामथ ने चेतावनी दी है कि हाल के नियामकीय बदलाव और बाजार की परिस्थितियों के चलते कंपनी को ब्रोकरेज हाउस को चार्ज लगाना पड़ सकता है। कामथ ने यह जानकारी अपने ब्लॉग पोस्ट में दी।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 की जून तिमाही में जेरोधा का ब्रोकरेज राजस्व पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले लगभग 40इ गिर गया। इसका मुख्य कारण ऑप्शंस ट्रेडिंग पर नए नियम और बाजार गतिविधियों में कमी बताया गया है।

कामथ ने लिखा कि अगर परिस्थितियां सुधार नहीं होती हैं, तो जेरोधा को इक्विटी डिलीवरी ट्रेडों पर ब्रोकरेज चार्ज लागू करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि अधिकांश प्रतिस्पर्धी पहले से ही डिलीवरी ट्रेडों पर शुल्क लेते हैं। जेरोधा ने अब तक अपने यूजर्स के लिए वर्षों से शून्य ब्रोकरेज शुल्क बनाए रखा है।

कामथ ने कहा कि कंपनी की आय पर प्रभाव बाजार साइकल, नियमों और अन्य बाहरी कारकों से पड़ता है। उन्होंने चेताया कि ऑप्शंस पर एसटीटी में वृद्धि और ऑप्शंस के एक्सपायरी पीरियड को दो हफ्ते करने जैसे बदलावों से कंपनी के लिए जोखिम बढ़ गया है।कामथ ने कहा कि इन बदलावों का असर अक्टूबर 2024 से दिखना शुरू हुआ और जून 2026 की तिमाही में इसका असर राजस्व पर साफ दिखाई दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेरोधा की वर्तमान स्थिति कंपनी के नियंत्रण में नहीं है और बाजार की परिस्थितियां कंपनी की आय पर निर्णायक प्रभाव डालती हैं।

बैंकों में पड़ी हैं 1.84 लाख करोड़ की अनक्लेम्ड संपत्तियां, सीतारमण ने बताया कैसे मिलेगा आपका हक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को गांधीनगर से तीन महीने के "आपकी पूंजी, आपका अधिकार" अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई, बैंकों और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने कहा कि बैंकों और नियामकों के पास बैंक जमा, बीमा, भविष्य निधि और शेयरों के रूप में 1.84 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभियान के दौरान इन निधियों को उनके असली मालिकों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता, पहुंच और कार्रवाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

सीतारमण ने भरोसा दिया कि यह राशि पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने कहा, 'आप जब चाहें उचित कागजात के साथ आएं, आपको धन दिया जाएगा। सरकार इसकी संरक्षक है।' उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी संपत्ति पर लंबे समय तक दावा नहीं किया जाता है, तो उसे एक संस्था से दूसरी संस्था में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

निर्मला सीतारमण ने कहा, 'आपके पास जो भी दस्तावेज़ हैं, उनकी जांच कर कार्रवाई करें। एक संगठित प्रयास ही इस अभियान को सफल बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के अनुसार, अधिकारियों को लोगों तक पहुंचना और बिना दावे वाली संपत्ति के असली मालिकों तक पैसा पहुंचाना सुनिश्चित करना होगा।'

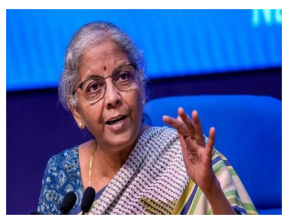

वॉरेन बफेट का यू-टर्न, कियोसाकी की चेतावनी 1929 जैसी महामंदी फिर से दस्तक दे सकती है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विश्व के दो बड़े निवेश दिग्गजों, वॉरेन बफेट और रॉबर्ट कियोसाकी के बीच निवेश को लेकर बहस ने फिर से निवेशकों का ध्यान खींचा है। जहां बफेट ने सालों तक सोने और चांदी में निवेश को नकारा, वहीं हाल ही में उनकी राय में बदलाव आया है। इस बदलाव को देखकर कियोसाकी ने चेतावनी दी है कि शेयर और बॉन्ड मार्केट में बड़ी गिरावट और 1929 जैसी महामंदी का खतरा बढ़ सकता है।

बीते एक साल में सोने और चांदी की कीमतों में 50इ से अधिक तेजी देखी गई है, जो यह दर्शाता है कि आर्थिक अनिश्चितता के दौरान ये कीमती धातुएं निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प बन जाती हैं। इसी बीच 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने मशहूर निवेशक वॉरेन बफेट पर निशाना साधा। बफेट हमेशा से सोने में निवेश के खिलाफ रहे हैं। लेकिन अब उनकी बदली राय ने सबको चौंका दिया है।

कियोसाकी और बफेट की निवेश संबंधी सोच हमेशा अलग रही है। बफेट ने पहले सोने और चांदी को 'बेकार' और 'नॉन-प्रोडक्टिव' बताया था, जबकि कियोसाकी इन्हें आर्थिक अनिश्चितता के दौर में भरोसेमंद निवेश मानते रहे हैं। अब जब बफेट ने सोने-चांदी के समर्थन में बदलाव किया, तो कियोसाकी इसे शेयर और बॉन्ड मार्केट में संभावित गिरावट का संकेत मान रहे हैं।

वॉरेन बफेट ने हमेशा कहा था कि सोना जमीन से निकाला जाता है, पिघलाया जाता है और फिर जमीन में ही दबा दिया जाता है, जिसका कोई खास उत्पादन मूल्य नहीं है लेकिन हाल ही में उनकी राय बदल गई है। कियोसाकी ने ट्वीट कर लिखा, 'बफेट ने सालों तक सोने-चांदी में निवेश करने वालों का मजाक उड़ाया। अब उनकी तारीफ सुनकर उल्टी आ रही है। इसका मतलब है कि शेयर और बॉन्ड मार्केट क्रैश होने वाला है।'

कियोसाकी लंबे समय से सोने, चांदी और क्रिप्टोकरेंसी को बढ़ावा देते आए हैं। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई, भूराजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार युद्ध के इस दौर में ये संपत्तियां निवेशकों को सुरक्षा देती हैं। वे चेतावनी दे रहे हैं कि आर्थिक संकट करीब है, जो 1929 की महामंदी जितना गंभीर हो सकता है।

उनकी सलाह है कि निवेशक अब पारंपरिक निवेश जैसे शेयर और बॉन्ड से हटकर सुरक्षित विकल्पों की ओर ध्यान दें। हालिया सोने-चांदी की तेजी ने कियोसाकी की बात को और बल दिया है। वे निवेशकों से कह रहे हैं कि बफेट की बदली राय को गंभीरता से लें, क्योंकि यह आर्थिक तूफान के आने का संकेत हो सकता है।

क्रिसिल रिपोर्ट : आरबीआई भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रख सकता है

कोलकाता। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान में भारी कटौती की है। केंद्रीय बैंक ने एक अक्टूबर को शुल्क अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपनी नीतिगत ब्याज दर को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा था।

रिपोर्ट में कहा गया कि एमपीसी ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष (2025-26) की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कमी से वृद्धि पर शुल्क का समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया, "कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति कम चिंता का विषय होने के साथ, अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो आरबीआई के लिए भी ऐसा करने की गुंजाइश बनेगी।" आरबीआई ने फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती की है।

अरबाज खान के घर आई नन्ही परी शूरा खान ने बेटी को दिया जन्म

बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान की फैमिली में खुशियों ने दस्तक दी है। दरअसल, उनकी पत्नी शूरा खान ने बेटी को जन्म दिया है। अरबाज खान और शूरा खान 5 अक्टूबर यानी रविवार को नन्ही परी के माता-पिता बने हैं। अरबाज खान और शूरा खान ने साल 2023 में शादी की थी और इस कपल का ये पहला बच्चा है। बताते चलें कि एक दिन पहले 4 अक्टूबर को जब प्रेग्नेंट शूरा खान को हॉस्पिटल को एडमिट करवाया गया था तभी से फैंस एक्साइटेड थे। अब इस कपल के माता-पिता बनते ही फैंस सोशल मीडिया के जरिए दोनों को बधाई दे रहे हैं।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर चाचा बन गए है। उनके छोटे भाई अरबाज खान और भाभी शूरा खान ने खुशखबरी सुनाई है और खान फैमिली में जश्न का माहौल है। 58 साल के अरबाज खान दूसरी बार पिता बने हैं। उनका पहली शादी से एक बेटा अरहान खान है। बताते चलें कि अरबाज खान ने दिसंबर, 2023 में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान के साथ शादी की थी। अब ये कपल शादी के करीब दो साल बाद बेटी का पेरेंट्स बना है। शूरा खान की मां बनने के बाद खान फैमिली के मेंबर्स हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं।

अरबाज खान ने साल 1998 में मलाइका अरोड़ा के साथ शादी की थी और साल 2017 में उनका तलाक हो गया था। अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा का एक बेटा अरहान खान हैं। अब अरबाज खान की दूसरी पत्नी शूरा खान ने बेटी को जन्म दिया है। बताते चलें कि सलीम खान के तीन बेटे सलमान खान, अरबाज खान और सोहेल खान हैं। सलमान खान ने शादी नहीं की। अरबाज खान ने दो शादियां की और उनके दो बच्चे हैं। सोहेल खान ने सीमा सजहेद के साथ साल 1998 में शादी की थी और साल 2022 में दोनों का तलाक हो गया। दोनों के दो बच्चे हैं।

रैंप पर उतरीं जाह्नवी कपूर, चमचमाती साड़ी में बिखेरा ऐसा जलवा कि थम गईं सबकी निगाहें!

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हमेशा अपने फैशन सेंस और स्टाइलिश लुक्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक फैशन इवेंट में उन्होंने ऐसी एंट्री ली कि वहां मौजूद हर किसी की नजरें उन पर टिक गईं। जाह्नवी इस बार रैंप पर उतरीं एक खूबसूरत शाइनिंग साड़ी पहनकर, जिसमें वो बला की खूबसूरत लग रही थीं।

जाह्नवी कपूर की ये साड़ी सिल्वर टोन में थी, जिस पर शिमरी वर्क किया गया था। उन्होंने इस लुक को बहुत ही ग्रेसफुल तरीके से कैरी किया। खुले बाल, न्यूड मेकअप और मिनिमल ज्वेलरी के साथ उन्होंने अपने पूरे लुक को बिल्कुल रॉयल टच दिया। जब वो रैंप पर चलीं तो हर किसी की नजर बस उन्हीं पर ठहर गई। कैमरे उनकी हर अदाओं को कैद करने में बिजी नजर आए।

सोशल मीडिया पर भी जाह्नवी कपूर का ये रैंप वॉक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। कोई उन्हें 'गॉर्जियस क्वीन' कह रहा है, तो कोई 'रियल फैशन आइकन' बता रहा है। कई लोगों ने कमेंट किया कि जाह्नवी अब बॉलीवुड की नई फैशनिस्टा बन चुकी हैं।

जाह्नवी के इस लुक की खास बात ये थी, कि उन्होंने पारंपरिक साड़ी को मॉडर्न टच के साथ पेश किया। उनका कॉन्फिडेंस, स्माइल और रैंप वॉक का स्टाइल सबको इंप्रेस कर गया। वर्क फ्रंट की बात करें, तो जाह्नवी कपूर जल्द ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसको दर्शकों से प्यार मिल रहा है, एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्मों की बात करें, तो इनमें 'देवरा: पार्ट 2' और 'पेड्डी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा वो साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में अपनी जगह पक्की करने में जुटीं हैं।

हिंद महासागर में भारत और ब्रिटेन की नौसेनाओं ने किया अभ्यास, 12 अन्य देशों के जहाज भी शामिल

नई दिल्ली।ब्रिटेन की कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी) ने पश्चिमी हिंद महासागर में भारतीय नौसेना के साथ 'कोंकण' अभ्यास शुरू किया है। ब्रिटिश सीएसजी का नेतृत्व एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कर रहा है। यह जानकारी ब्रिटिश उच्चायोग ने रविवार को साझा की।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया, भारत और ब्रिटेन के बीच 'कोंकण' अभ्यास का मकसद दोनों नौसेनाओं की संयुक्त समुद्री और वायु क्षमताओं को बढ़ाना है। 2004 से प्रत्येक दो साल में यह अभ्यास होता आ रहा है। लेकिन यह पहली बार है, जब ब्रिटिश और भारतीय कैरियर स्ट्राइक ग्रुप संयुक्त समुद्री अभ्यास कर रहे हैं।

ब्रिटेन का कैरियर स्ट्राइक ग्रुप अभी 'ऑपरेशन हाईमास्ट' नाम के आठ महीने के मिशन पर है। भारतीय नौसेना के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का नेतृत्व आईएनएस विक्रांत कर रहा है। यह चार दिवसीय जटिल समुद्री अभ्यास है, जिसमें दोनों सेनाओं की पनडुब्बी और विभिन्न विमान शामिल होंगे।

ब्रिटेन के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का नेतृत्व एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कर रहा है, जो क्वीन एलिजाबेथ श्रेणी का 65 हजार टन का सबसे बड़ा सतह पोत

है, जिसे ब्रिटेन ने बनाया है। इसके साथ ही इस अभ्यास में टाइप 45 डेस्ट्रॉयर एचएमएस डॉनटलेस, टाइप 23 फ्रिगेट एचएमएस रिचमंड, रॉयल फ्लीट असिस्टेंट जहाज और सहयोगी देशों के जहाज शामिल हैं। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप में एफ-35बी लाइटनिंग विमान और मर्लिन व वाइल्टकैट हेलिकॉप्टर भी शामिल हैं।

ऑपरेशन हाईमास्ट एक बहुराष्ट्रीय मिशन है, जिसका नेतृत्व ब्रिटेन का कैरियर स्ट्राइक ग्रुप करता है। इस मिशन से ब्रिटेन के सशस्त्र बलों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बड़ी तैनाती का अवसर मिलता है। साथ ही वे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जटिल ऑपरेशन करने का अभ्यास करते हैं। इस मिशन में 12 अन्य देशों के जहाज और सैनिक शामिल होते हैं।

अभ्यास पूरा होने के बाद कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के जहाज मुंबई और गोवा के बंदरगाहों पर पहुंचेंगे, जहां भारत साथ बढ़ते सैन्य सहयोग का जश्न मनाया जाएगा और ब्रिटेन के व्यापार और उद्योग को भी वहां दिखाया जाएगा। यह भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत और जीवंत संबंदों का भी प्रतीक होगा।

ब्रिटेन की भारत में उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने कहा कि भारत और ब्रिटेन एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसा करते हैं और आधुनिक रक्षा और सुरक्षा साझेदारी की महत्वाकांक्षा रखते हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर द्वारा इस वर्ष सहमति से स्थापित ब्रिटेन-भारत विजन 2035 का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

सिरप से हुई मौतों पर केंद्र सख्त, राज्यों के साथ स्वास्थ्य सचिव की बैठक; दिए ये अहम निर्देश

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप के चलते हुए बच्चों की मौत के बाद केंद्र सरकार एक्शन में आ गई है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों के साथ आज एक अहम बैठक की। इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें खांसी की दवाओं की गुणवत्ता और उचित उपयोग पर चर्चा हुई।

उन्होंने सभी दवा निर्माताओं को संशोधित शेड्यूल एम का सख्ती से पालन करने और नियमों का उल्लंघन करने वाले कारखानों के लाइसेंस रद्द करने का निर्देश दिया। साथ ही, खासकर बच्चों में खांसी की दवाओं का सही और सीमित उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया, क्योंकि अधिकांश खांसी स्वयं ही ठीक हो जाती है और दवाइयों की जरूरत नहीं होती। इस दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बेहतर निगरानी, समय पर रिपोर्टिंग, आईडीएसपी-आईएचआईपी की रिपोर्टिंग टूल का व्यापक प्रचार और सूचनाओं के आदान-प्रदान व संयुक्त कार्रवाई के लिए मजबूत समन्वय बनाए रखने की सलाह दी गई।

'कोल्ड्रिफ' पर CDSCO सख्त, तमिलनाडु एफडीए को कार्रवाई का निर्देश

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने सरेशान फार्मास्यूटिकल्स की तरफ से बनाई गई खांसी की दवा कोल्ड्रिफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। यह कदम उस समय उठाया गया जब कई बच्चे इस दवा पीने के बाद मृत पाए गए। सीडीएससीओ तमिलनाडु के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को पत्र लिखकर कंपनी के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए कहेगा।मृत बच्चों में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, राजस्थान के बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा केरल और तेलंगाना ने भी इस दवा का उपयोग रोकने के लिए जनता को चेतावनी जारी की है।

कफ सिरप का उत्पादन करने वाली कंपनी पर लटकी तलवार

वहीं दूसरी ओर सरकार कफ सिरप का उत्पादन करने वाली कंपनी पर सख्य कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) तमिलनाडु एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) को 'कोल्ड्रिफ' सिरप निर्माता के खिलाफ सबसे गंभीर अपराधों के तहत सख्त कार्रवाई करने के लिए कहेगा। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में उन फैक्ट्रियों की जांच शुरू कर दी है जहां से संदिग्ध दवाएं बनी थीं। बता दें कि मामले में सीडीएससीओ ने 19 दवाओं के सैंपल इकट्ठे किए हैं, जिनमें खांसी की सिरप, एंटीबायोटिक और बुखार की दवाएं शामिल हैं।

विजयेंद्र का दावा- बिहार चुनाव के बाद होगा कर्नाटक में राजनीतिक बदवाल, कांग्रेस में भ्रम की स्थिति

मैसूर।कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने रविवार को कहा कि बिहार चुनाव के बाद राज्य में कई में राजनीतिक बदलावे होंगे। उन्होंने यह बाद कांग्रेस के अंदर उठ रही मुख्यमंत्री बदलने की आवाजों का हवाला देते हुए कही। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकमार के बीच सत्ता संघर्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के अंदर भ्रम की स्थिति है और विधायक खुलेआम नेतृत्व बदलने की बात कर रहे हैं।

पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए विजयेंद्र ने कहा, सिद्धारमैया कुछ जल्दबाजी में लग रहे हैं। आपने दो महीने पहले मैसूर में उनकी ताकत दिखाने की कोशिश देखी है..मुख्यमंत्री अपनी ताकत दिखा रहे हैं। राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक और मंत्री राजनीतिक क्रांत की बात कर रहे हैं, न कि भाजपा के। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के सदस्यों से कहा है कि वे नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा न करें और पार्टी का शीर्ष कमान इस पर फैसला लेगा।

भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस नेतृत्व में कोई यह नहीं कह रहा कि नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। इसका मतलब है कि बिहार चुनावों के बाद राज्य में कई राजनीतिक बदलाव होंगे। यह स्पष्ट है कि राज्य में राजनीतिक अस्थिरता होगी। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के अंदर भ्रम की स्थिति है।

कांग्रेस के कुनिगल के विधायक एचडी रंगनाथ और मांड्या के पूर्व सांसद एलआर शिवरमे गौड़ा ने पिछले हफ्ते राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे को फिर से छेड़ा था। उन्होंने दावा किया था कि शिवकुमार नवंबर में अगले मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि, सिद्धारमैया ने एक बार फिर कहा कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह दूसरे कार्यकाल में अब ढाई साल मुख्यमंत्री रह चुके हैं और बाकी ढाई साल भी इस पद पर रहेंगे। जब उनसे पूछा गया कि राजनीतिक बदलाव की स्थिति में आपकी पार्टी की क्या भूमिका होगी, तो विजयेंद्र ने कहा, देखते हैं जब स्थिति आएगी। भाजपा जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम करेगी। उन्होंने कहा, हमारी सीटें 66 से घटकर 63 हो गई हैं। हम विपक्ष में हैं और जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। हमें राज्य के मुद्दों पर चर्चा करनी होगी। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह शून्य विकास, गरीबों और किसानों के विरोध में है।

राज्य के राजनीतिक गलियारों में, खासकर सत्ताधारूढ़ कांग्रेस में मुख्यमंत्री बदलने को लेकर कुछ समय से अटकलें लग रही हैं। यह सत्ता साझेदारी समझौते से जुड़ा है, जिसमें सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सहमति बताई जा रही है। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर कड़ी टक्कर हुई थी। कांग्रेस ने शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाकर संतुष्ट किया। उस समय कुछ अटकलें थीं कि रोटेशनल मुख्यमंत्री के फार्मूला के आधार पर समझौता हुआ है, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन पार्टी ने इसे आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।

'विदेश जाकर देश विरोधी बयान देने वाले पहले नेता', किरन रिजिजू ने राहुल गांधी को लिया आड़े-हाथ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी एक बार फिर विदेश में दिए गए अपने भाषण को लेकर चर्चा में है। भाजपा कोलंबिया में उनके द्वारा लोकतंत्र को लेकर कही गई बातों को देश विरोधी बताते हुए हमलावर है, जिसके चलते दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का बाजार भी गर्म हो गया है। ऐसे में अब केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी को आड़े-हाथ लेते हुए उनके बयानों की आलोचनी की है। रिजिजू ने कहा कि अब तक कोई भी विपक्ष के नेता (लीडर ऑफ द ऑपोजीशन) विदेश जाकर देश या सरकार के खिलाफ बयान नहीं देता था, लेकिन राहुल गांधी पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने विदेश में जाकर देश, हमारे सिस्टम और लोकतंत्र के खिलाफ बात की है। उन्होंने नाम लेकर इंदिरा गांधी, लाल कृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, सुषमा स्वराज और शरद पवार जैसे नेताओं का उदाहरण दिया।

न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने कोलंबिया में कहा कि भारत विश्व नेतृत्व नहीं कर सकता, यह बात पूरी तरह गलत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। अगर विदेशों में यह छवि जाए कि भारत के

लोग राहुल गांधी जैसे हैं, तो देश की छवि खराब होगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में कई बुद्धिमान नेता और अच्छे विचारधारा वाले लोग हैं, लेकिन राहुल गांधी जैसे बयान से ऐसा लगता है कि ऐसे लोग देश में अधिक हैं, जो सही नहीं है। रिजिजू ने इस बात पर भी जोर दिया कि कोलंबिया में राहुल गांधी को जेन-जी की बात नहीं करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता को जनरेशन जेड के बारे में बोलना सही नहीं है। नई पीढ़ी ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया है और वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ी है।

किरेन रिजिजू ने कहा युवा भ्रष्टाचार और एक परिवार के कब्जे वाली राजनीति के खिलाफ है और खासकर कांग्रेस के खिलाफ है। इस दौरान रिजिजू ने देश में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि आज जो लोग कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं या पूर्वोत्तर को अलग करना चाहते हैं, वे खुद अभिव्यक्ति की आजादी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर कोई देश को तोड़ने की बात करता है, माओवादियों का समर्थन करता है या कश्मीर में अनुच्छेद 370 का समर्थन करता है, तो वह असली अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। किरन रिजिजू ने आरोप लगाया कि जो लोग प्रधानमंत्री मोदी की लगातार निंदा करते हैं, वे असली आजादी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और देश को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं।

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में कहा था कि भारत के लोकतंत्र पर हमला हो रहा है, जो सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि भारत की विविधता और लोकतंत्र महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वर्तमान में लोकतंत्र पर व्यापक हमला हो रहा है, जो देश के लिए बड़ा जोखिम है। राहुल ने भाजपा-आरएसएस की विचारधारा पर भी हमला किया और इसे 'कायरता' बताया।

डोनाल्ड ट्रंप का हमास को अल्टीमेटम, 20 सूत्रीय शांति समझौते पर करें दस्तखत, नहीं तो 'नर्क' के लिए रहे तैयार!

वांशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि इजरायल ने बंधकों की रिहाई और 20-सूत्रीय शांति समझौते को लागू करने का अवसर देने के लिए गाजा पट्टी में बमबारी अस्थायी रूप से रोक दी है। यह घोषणा उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर की।

ट्रंप ने हमास से शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, 'हमास को जल्दी कदम उठाना होगा, वरना सारे दांव बेकार हो जाएंगे। मैं देरी बर्दाश्त नहीं करूंगा... आइए इसे जल्द से जल्द पूरा करें।'

इससे पहले, शुक्रवार को, ट्रंप ने हमास को रविवार शाम 6 बजे पूर्वी समय (2200 उश्ऊ) तक 20-सूत्रीय शांति योजना को स्वीकार करने की समय-सीमा दी थी, चेतावनी देते हुए कहा था कि अन्यथा 'हमास के खिलाफ, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया, नरक टूट पड़ेगा।'

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आशा व्यक्त की है कि वे 'आने वाले दिनों में' गाजा से सभी बंधकों की रिहाई की घोषणा करेंगे। नेतन्याहू का यह बयान तब आया है जब सोमवार को मिस्र में हमास के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता जारी रही।

नेतन्याहू ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उन्होंने 'तकनीकी विवरणों को अंतिम रूप देने' के लिए एक प्रतिनिधिमंडल मिस्र भेजा है और उनका लक्ष्य इन वार्ताओं को 'कुछ दिनों की समय-सीमा तक सीमित रखना' है।

शनिवार को एक अलग पोस्ट में, ट्रंप ने बताया कि लंबी बातचीत के बाद, इजरायल एक 'प्रारंभिक वापसी रेखा' पर सहमत हो गया है, जिसे हमास को दिखाया गया है।

उन्होंने लिखा, 'जब हमास इसकी पुष्टि करेगा, तो युद्धविराम तुरंत प्रभावी हो जाएगा, बंधकों और कैदियों की अदला-बदली शुरू हो जाएगी, और हम वापसी के अगले चरण के लिए परिस्थितियां तैयार करेंगे, जो हमें इस 3,000 साल पुरानी तबाही के अंत के करीब ले जाएगा।'

हमास ने 20-सूत्रीय शांति योजना को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने इसका व्यापक स्वागत किया है और मध्यस्थता वार्ता शुरू करने की तत्परता दिखाई है। इस व्यापक योजना की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं, युद्धविराम प्रभावी होने पर इजरायल सैन्य कार्रवाई रोक देगा और सहमत रेखाओं पर वापस लौट जाएगा; बंधकों की अदला-बदली के तहत, इजरायल द्वारा समझौते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के 72 घंटों के भीतर हमास को सभी बंधकों (जीवित और मृत) को रिहा करना होगा, जिसके बदले में इजरायल 250 आजीवन कारावास की सजा पाए कैदियों और 1,700 गाजावासियों को रिहा करेगा। इसके अलावा, इस योजना में चरणबद्ध इजरायली वापसी, गाजा का विसैन्यीकरण, पुनर्निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय निगरानी की रूपरेखा है, जिसमें हमास को शासन संरचना से बाहर रखा जाएगा, हालांकि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए प्रतिबद्ध निहत्थे हमास सदस्यों को माफी दी जाएगी और गाजा छोड़ने के इच्छुक लोगों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जाएगा।

यूक्रेन में रूसी कहर, 5 नागरिक मारे गए, ल्वीव से जापोरिज्जिया तक हाहाकार

कीव। शनिवार रात भर रूस द्वारा यूक्रेन के नौ क्षेत्रों पर किए गए बड़े हमले में कम से कम पांच नागरिकों की मौत हो गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला मुख्य रूप से मिसाइलों, ड्रोनों और बमों का उपयोग करके किया गया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार सुबह जानकारी दी कि मॉस्को ने लगभग 500 ड्रोन और 50 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

हमले में पश्चिमी यूक्रेन का शहर ल्वीव सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। क्षेत्रीय अधिकारियों और यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, ल्वीव में चार लोगों की मौत हुई और कम से कम चार अन्य घायल हुए।

ल्वीव के महापौर एंड्री सदोवी ने बताया कि हमले के कारण रविवार तड़के दो जिलों में बिजली गुल हो गई और सार्वजनिक परिवहन कुछ घंटों के लिए बाधित रहा। ल्वीव के बाहरी इलाके में एक व्यावसायिक परिसर में आग भी लग गई।

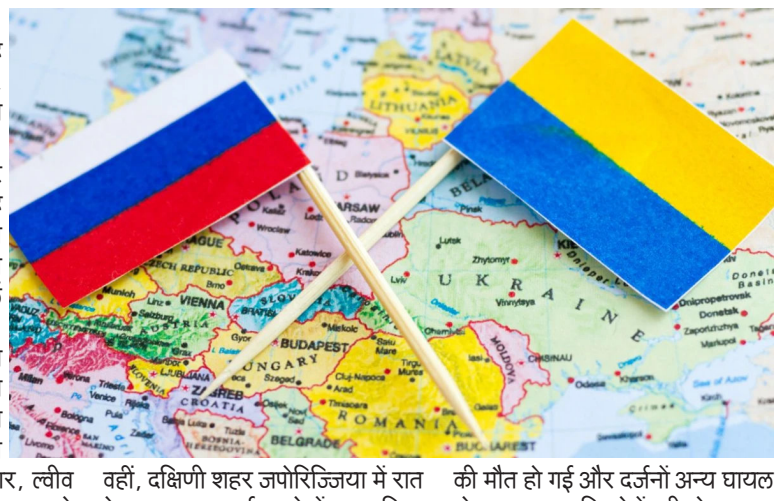

वहीं, दक्षिणी शहर जपोरिज्जिया में रात के समय हुए हवाई हमले में एक महिला की मौत हो गई और 16 वर्षीय लड़की सहित नौ अन्य लोग घायल हो गए, जैसा कि गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया।

यूक्रेन के रेलवे एवं विद्युत ग्रिड पर रूस ने हमले तेज कर दिए हैं। शनिवार को एक अन्य घटना में, एक रेलवे स्टेशन पर हुए रूसी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया था कि कीव के उत्तर-पूर्व में, रूसी सीमा से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित शहर शोस्तका में रेलवे स्टेशन पर हुए ड्रोन हमले में कम से कम 30 लोग घायल हो गए।

मेक्सिको के तट के पास प्रशांत महासागर में उष्णकटिबंधीय तूफान 'प्रिसिला' के कारण तेज हवाएं चलीं

मेक्सिको के तट के पास प्रशांत महासागर में शनिवार को उष्णकटिबंधीय तूफान 'प्रिसिला' के कारण तेज हवाएं चलीं और यह तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। मियामी स्थित राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने बताया कि 'प्रिसिला' एक ''बड़ा उष्णकटिबंधीय तूफान'' है जिसके केंद्र से 220 किलोमीटर दूर तक उष्णकटिबंधीय तूफानी हवाएं चलीं। राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने बताया कि यह मेक्सिको के मंजानिलो से लगभग 455

किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था और छह किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। पुंटा सैन टेल्मो से पुंटा मीता तक दक्षिण-पश्चिमी मेक्सिको के तट के कुछ हिस्सों के लिए उष्णकटिबंधीय तूफान की चेतावनी जारी की गई है। इस क्षेत्र में रविवार एवं सोमवार को उष्णकटिबंधीय तूफान की स्थितियां बनने की संभावना है। 'प्रिसिला' के रविवार रात या सोमवार सुबह तक चक्रवात बनने तथा आने वाले दिनों में तट के समानांतर आगे बढ़ने का पूर्वानुमान है।

मुझे उम्मीद है कि 'आने वाले दिनों में' गाजा से सभी बंधकों की रिहाई की घोषणा की जाएगीः नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि गाजा से सभी बंधकों की रिहाई की घोषणा 'आने वाले दिनों में' कर दी जाएगी। वहीं, सोमवार को मिस्र में हमास के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत होनी है, जिसमें युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की नयी योजना पर चर्चा होगी। नेतन्याहू ने शनिवार देर रात एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उन्होंने

'तकनीकी मामलों को अंतिम रूप देने के लिए' एक प्रतिनिधिमंडल मिस्र भेजा है। उन्होंने यह भी कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि इन बातचीत को कुछ ही दिनों के भीतर पूरा किया जाए।''

नेतन्याहू का यह बयान हमास द्वारा अमेरिकी योजना की कुछ शर्तों को स्वीकार करने की घोषणा के बाद आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास के बयान का स्वागत किया, लेकिन शनिवार को चेतावनी दी कि 'हमास को जल्दी कदम उठाना होगा, नहीं तो सारी संभावना खत्म हो जाएगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)